मनेन्द्रगढ़
15 मई 2026 शुक्रवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बंगाल में गायें काटने पर रोक, सार्वजनिक बूचड़खाने भी बंद

सुवेंदु सरकार 75 साल पुराना कानून लाई; जानवर काटने से पहले डॉक्टर फिटनेस सर्टिफिकेट देगा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य में गाएं काटने पर रोक लगा दी है। सीएम सुवेंदु ने 1950 के बंगाल कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में यह कहा गया है कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से प्रतिबंध है। बंगाल सरकार ने कहा कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल किसी नगरपालिका के अध्यक्ष, किसी पंचायत समिति के प्रमुख और एक सरकारी पशु चिकित्सक के साथ मिलकर जारी किया जाएगा। यह सर्टिफिकेट तभी जारी होगा जब अथॉरिटी सहमत हो कि जानवर 14 साल से ज्यादा उम्र का है, वह प्रजनन के लायक नहीं और बूढ़ा है। चोटिल और अपंग है, या लाइलाज बीमारी के कारण अक्षम है। इसके अलावा सार्वजनिक बूचड़खानों पर भी रोक लगा दी गई है। सरकार ने कहा है कि जानवरों की हत्या केवल नगरपालिका के बूचड़खाने, या स्थानीय प्रशासन से निर्धारित बूचड़खाने में ही की जाएगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के 15 साल के शासन को खत्म करने के बाद कई बड़े कदम उठाए हैं। पशु हत्या से जुड़ा 75 साल पुराना 'पश्चिम बंगाल पशु हत्या नियंत्रण अधिनियम, 1950' का उल्लंघन करने पर 6 महीने तक की जेल और 1000 रुपए तक का जुर्माना या फिर दोनों सजाएं हो सकती हैं। इतना ही नहीं अगर फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने से मना कर दिया जाता है, तो कोई भी व्यक्ति सर्टिफिकेट रद्द होने की सूचना मिलने के 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है।

काला कोट पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की; बाहर निकलीं तो चोर-चोर के नारे लगे

कोलकता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी एक बार फिर काला कोट पहनकर कोर्ट में दलीलें देने पहुंची। ममता गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल के सामने पेश हुई। मामला 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था।

सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस स्त्रढ्ढक्र दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है।

भाजपा बोली- राहुल 22 साल में 54 बार विदेश गए

इस पर 60 करोड़ खर्च, बताएं फंडिंग किसने की; दावा- 2025 में सीक्रेट यात्राएं कीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया है। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी ने पिछले 22 साल में 54 विदेश यात्राएं की हैं। सितंबर 2025 में सीक्रेट यात्राएं भी की हैं।

उन्होंने दावा किया कि हर विदेश दौरे में राहुल के साथ 3-4 लोग भी जाते थे। इन यात्राओं पर कुल खर्च करीब ?60 करोड़ बैठता है। राहुल के हलफनामे के मुताबिक पिछले 10 साल में उनकी घोषित आय ?11 करोड़ रही, तो इन यात्राओं का खर्च किसने उठाया, किसने फंडिंग की है। राहुल फंडिंग का सोर्स बताएं।

वियतनाम यात्रा पर भी सवाल उठाया

इसी साल जनवरी में भाजपा ने दावा किया था कि राहुल वियतनाम दौरे पर गए हैं। आरोप लगाया था कि राहुल वियतनाम में भारत विरोधी लोगों के मेहमान बनकर देश के खिलाफ बोलेंगे।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा था कि राहुल विदेश जाकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करते हैं। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि यह साफ किया जाए कि राहुल गांधी को विदेशों में कौन लोग और किन मकसदों से आमंत्रित करते हैं।त्रिवेदी ने सवाल उठाया था कि जब कांग्रेस शासित राज्यों में भी राहुल गांधी को औपचारिक तौर पर बुलावा नहीं मिलता, तो विदेशों में उन्हें कौन और क्यों आमंत्रित करता है।

पीएम की बचत की अपील, 12 राज्यों में असर

त्रिपुरा में 50प्रतिशत कर्मचारी ही ऑफिस आएंगे; आंध्र प्रदेश-गोवा में सीएम का काफिला आधा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी की बचत की अपील का असर 12 राज्यों में दिख रहा है। त्रिपुरा में ग्रुप सी और डी के सिर्फ 50% सरकारी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और गोवा के ष्टरू प्रमोद सावंत ने पेट्रोल बचाने, सरकारी खर्च कम करने के लिए अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या 50% कम करने का फैसला लिया है।पंजाब में गवर्नर ऑफिस में हर बुधवार को अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएंगे। हरियाणा में सीएम नायब सिंह सैनी हफ्ते में एक दिन बिना गाड़ी के चलेंगे।इससे पहले बुधवार को दिल्ली, यूपी, एमपी, राजस्थान और बिहार में भी VVIP काफिले में गाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। पीएम मोदी भी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। आमतौर पर पीएम के काफिले में 12 से 15 गाड़ियां रहती हैं।

- **ओडिशा: सीएम ने काफिले में गाड़ियां घटाई:**ओडिशा के सीएम मोहन माझी ने अपने काफिले की गाड़ियां घटा दी हैं। उनके काफिले में सिर्फ चार गाड़ियां हैं। जिसमें दो पुलिस की गाड़ी शामिल हैं।
- **त्रिपुरा: 50% कर्मचारी ही ऑफिस आएंगे, बाकी वर्क फ्रॉम होम:**त्रिपुरा सरकार ने खर्च और पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब सरकारी दफ्तरों में ग्रुप ष्ट और ष्ठ के सिर्फ 50% कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। सरकार ने सभी विभागों को कर्मचारियों की साप्ताहिक ड्यूटी रोस्टर बनाने के निर्देश दिए हैं। जरूरी और इमरजेंसी सेवाओं वाले कर्मचारियों पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- **हरियाणा: सीएम ने काफिला घटाया, हफ्ते में एक दिन बिना गाड़ी के चलेंगे:**हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अपने सरकारी काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि अब उनके काफिले में सिर्फ सुरक्षा के लिए जरूरी वाहन ही शामिल होंगे। सीएम ने यह भी तय किया है कि वे हफ्ते में एक दिन कोई भी गाड़ी इस्तेमाल नहीं करेंगे।
- **आंध्र प्रदेश: सीएम के साथ अब पहले से आधा काफिला:**आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अपने काफिले में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों की संख्या 50% कम करने का फैसला लिया है। अब जिला दौरों के दौरान उनके साथ पहले से आधी गाड़ियां ही चलेंगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, वीआईपी लोगों से भी सरकारी गाड़ियों का कम इस्तेमाल करने और जरूरत होने पर ही यात्रा करने की अपील की है।
- **पंजाब: हर बुधवार अधिकारी चार पहिया से नहीं आएंगे:**पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा, हमने अपने अधिकारियों के साथ बैठक के बाद यह फैसला किया है कि हर बुधवार को हमारा कोई भी अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएगा।

यूपी में आंधी-तूफान 100 लोगों की मौत

80किमी की आंधी में युवक उड़ा, राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट; म.प्र. भी हीटवेव की चपेट में

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना, एजेंसी। देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में बुधवार को आंधी-तूफान के कारण 100 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 17 मौतें प्रयागराज और 21 मौतें भदोही में हुईं।

यहां 80 किमी. की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक युवक टीनशेड समेत हवा में उड़ गया। राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4डिग्री रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का

जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है।वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है।

देवास में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट 3 की मौत: 12 मजदूर गंभीर घायल

शवों के टुकड़े 20-25 फीट दूर जा गिरे ; फैक्ट्री मालिक हिरासत में

देवास, एजेंसी। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में धीरज, सनी और सुमित नाम के तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं।इनमें 13 गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया है। ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। फैक्ट्री की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद पुलिस ने फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर दुख जताते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा समेत वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचने और जांच के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और घायलों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है।

दो केमिकल को मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था:मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया।

लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से करीब 15 से 20 मिनट पहले ही फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों का खाना भी आ चुका था, लेकिन हादसे के बाद लोग खाना छोड़कर जान बचाने के लिए भागे।

आरोप- अवैध फैक्ट्री के खिलाफ पहले कोई कार्रवाई नहीं की:घटना के बाद ग्रामीणों ने कमिश्नर का घेराव कर आरोप लगाया कि अवैध फैक्ट्री के खिलाफ पहले कोई कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में करीब 400 से 500 लोग काम करते हैं।

सीएम ने दिए घटना की जांच के आदेश :

देवास जिले के टोंककला में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने की घटना बेहद दुखद है।मुख्यमंत्री ने जिले के प्रभारी और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। घटना की जांच के आदेश भी दिए गए हैं।राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और घायलों का मुफ्त इलाज कराने के निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति, परिजनों को दुख सहने की शक्ति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

नीट पेपर लीक केस में अब तक 5 गिरफ्तार

पुणे से एक ब्यूटीशियन भी हिरासत में ; राजस्थान पुलिस बोली : लीक पेपर 1000 कैंडिडेट तक पहुंचा

पुणे/गुरुग्राम/जयपुर, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले में 14 संदिग्धों से सीबीआई ने 24 घंटे पूछताछ के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को बुधवार को कोर्ट ने ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया। अब सीबीआई सभी आरोपियों को दिल्ली ले जाएगी।

सीबीआई ने राजस्थान के सीकर से आरोपी मांगी लाल बिंवाल, जमवारामगढ़ के भाई दिनेश बिंवाल, बेटा विकास बिंवाल, हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले यश यादव और नासिक से शुभम खैरनार को गिरफ्तार किया है। शुभम ने ही यश को पेपर दिया था।जांच एजेंसी ने विक्रम यादव, योगेश प्रजापत, संदीप हरितवाल, नीतेश अजमेरा, सत्यनारायण, विक्रम, राकेश, रजत, अमित मीणा और रोहित मावलिया को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है।महाराष्ट्र के पुणे से ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे है और अहिल्यानगर से धनंजय निवृत्ति लोखंडे (26) को पकड़ा है। इनसे पूछताछ की जा रही है। मनीषा के 21 खातों में जमा 10 लाख रुपए किए गए थे।राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) के मुताबिक, राजस्थान में करीब एक हजार कैंडिडेट तक लीक पेपर पहुंचा था।

चुनाव आयोग ने एसआईआर के तीसरे फेज की घोषणा की

6 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में करीब 37 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने गुरुवार को स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR) के तीसरे फेज की घोषणा की है। इस चरण के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में करोड़ों मतदाताओं का घर-घर जाकर वेरिफिकेशन किया जाएगा।

चुनाव आयोग के अनुसार तीसरे फेज में 36.73 करोड़ मतदाताओं का वेरिफिकेशन होगा। इस प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (BLO) तैनात होंगे। BLO की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (BLA) भी शामिल रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला:देश में लेन ड्राइविंग का सिस्टम नहीं:ये हादसों की बड़ी वजह

राज्यों-यूटी को निर्देश- पब्लिक ट्रांसपोर्ट गाड़ियों में ट्रैकिंग डिवाइस लगवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर कहा कि भारत में लेन ड्राइविंग का कोई कॉन्सेप्ट ही नहीं है। यही दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहा है। कोर्ट ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई अहम निर्देश भी जारी किए।

कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट गाड़ियों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस (VLTD) और इमरजेंसी पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।

कोर्ट ने कहा कि ये उपकरण खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। केंद्र सरकार ने 2018 में ही यह नियम लागू किया था, लेकिन अब तक केवल करीब 1% वाहनों में ही ये उपकरण लगाए गए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने 2012 में दायर सर्जन एस. राजशेखरन की जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिका में देशभर में सड़क सुरक्षा नियमों को प्रभावी

ढंग से लागू करने की मांग की गई थी।

बिना डिवाइस फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं:सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब कोई भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट गाड़ी तब तक फिटनेस सर्टिफिकेट या परमिट नहीं पाएगा, जब तक उसमें VLTD और पैनिक बटन नहीं लगे होंगे।

कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाड़ी निर्माताओं के साथ बातचीत करने का निर्देश भी दिया, ताकि प्रोडक्शन के समय ही ये डिवाइस लगाए जाएं।

त्रिपुरा सरकार ने लागू किया 50प्रतिशत कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम', पीएम की अपील का दिखा असर

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा सरकार ने सरकारी खर्च को कम करने और ईंधन बचाने के उद्देश्य से एक नया ज्ञापन जारी किया है। यह अहम फैसला पश्चिम एशिया संकट के बीच पेट्रोलियम पदार्थों की खपत को कम करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशव्यापी अपील के बाद लिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 13 मई, 2026 को जारी यह आदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस हालिया अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने नागरिकों और संस्थानों से ईंधन बचाने और जहां तक संभव हो वर्क फ्रॉम होम अपनाने का आग्रह किया था।

ज्ञापन के अनुसार, सभी विभागाध्यक्षों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि ग्रुप सी और ग्रुप डी के केवल 50 प्रतिशत कर्मचारी ही रोजाना कार्यालय आएं, जबकि बाकी बचे 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे।

रोटेशन के आधार पर ड्यूटी: सभी विभागों को साप्ताहिक ड्यूटी रोस्टर तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है, जिससे कर्मचारी एक सप्ताह छोड़कर अगले सप्ताह कार्यालय आ सकें। पहले सप्ताह में उन कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनका घर उनके कार्यस्थल के करीब है।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि घर से काम कर रहे कर्मचारियों को हर समय टेलीफोन और इलेक्ट्रॉनिक संचार के अन्य माध्यमों पर उपलब्ध रहना होगा। किसी भी अति-आवश्यक कार्य के लिए बुलाए जाने पर उन्हें तुरंत कार्यालय में रिपोर्ट करना होगा।

अनिवार्य सेवाओं को छूट: राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों, स्वायत्त व वैधानिक संगठनों और अधीनस्थ कार्यालयों को भी इसी तरह के उपाय लागू करने की सलाह दी है।हालांकि, यह निर्देश आवश्यक या आपातकालीन सेवाओं में लगे कार्यालयों और कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। यह ज्ञापन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और सरकार के अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

पीएम मोदी की अपील: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक बसों और कारपूलिंग को अपनाकर पेट्रोल और डीजल की खपत में कटौती करने का आग्रह किया था। इसके अलावा, उन्होंने भारत पर आयात के भारी बोझ को कम करने के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' को बढ़ावा देने और सोने की खरीदारी को फिलहाल टालने के लिए भी प्रोत्साहित किया था। पीएम मोदी ने अपनी अपील में कहा, 'जिनके पास कार है, उन्हें एक ही वाहन में ज्यादा लोगों को साथ ले जाना चाहिए। डिजिटल तकनीक ने अब बहुत सी चीजों को आसान बना दिया है, इसलिए तकनीक की मदद भी हमारे लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह बहुत जरूरी है कि सरकारी और निजी दोनों कार्यालयों में वर्चुअल मीटिंग्स और वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता दी जाए।

'उन्होंने आगे कहा कि देश की एक बहुत बड़ी रकम सोने के आयात के कारण विदेशों में चली जाती है। इसलिए, मैं आप सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि जब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य न हो जाए, तब तक सोने की खरीदारी को टाल दें। आज समय की सबसे बड़ी मांग है कि हम वोकल फॉर लोकल को एक जन आंदोलन में बदल दें। विदेशी सामानों की जगह स्थानीय उत्पादों को अपनाएं और अपने गांव, अपने शहर, अपने देश के उद्यमियों को सशक्त बनाएं।

साहब पी रहे 'प्योर वॉटर', मरीजों के हलक में उतर रही 'बीमारी' फरीदाबाद के अस्पतालों का कड़वा सच उजागर

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले में तीन नंबर स्थित ईएसआइसी अस्पताल और नागरिक अस्पताल में मरीजों को शुद्ध पानी नसीब नहीं हो पा रहा है। जिन अधिकारियों पर नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी है। वहां भी कई जगह पानी में मानकों से अधिक टीडीएस है। गुणवत्ता की कसौटी पर पानी खरा नहीं उतर रहा है। ईएसआइसी अस्पताल, डीन कार्यालय, जिला नागरिक अस्पताल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा ईएसआइ हेल्थ केयर विभाग की सिविल सर्जन डा. पूता भारद्वाज के कार्यालय में पानी के टीडीएस की जांच की गई तो पता चला कि अधिकारी-कर्मचारी शुद्ध पानी पी रहे हैं। मगर आम नागरिक सामान्य से कई गुना टीडीएस वाला पानी पी रहे हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि शुद्ध पेय जल में स्टैंडर्ड मानकों के अनुसार टीडीएस (टोटल डिसाल्वड सालिडस) की मात्रा 150 से कम होनी चाहिए, मगर यहां तो कई जगह मानकों से अधिक टीडीएस मिला। जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय और नागरिक अस्पताल में आपूर्ति किए जा रहे पानी में टीडीएस की मात्रा 534 थी।

तीन नंबर ईएसआइसी मेडिकल कालेज व अस्पताल में आपूर्ति किए जा रहे पानी में टीडीएस 407 मिला। ईएसआइसी मेडिकल कालेज के डीन कार्यालय में उपलब्ध पानी में टीडीएस की मात्रा 68 रही।

ईएसआइ डिस्पेंसरी में स्थिति बेहतर: पांच नंबर स्थित ईएसआइ डिस्पेंसरी नंबर तीन में पानी की गुणवत्ता के मामले में स्थिति बेहतर मिली। यहीं ईएसआइ हेल्थ केयर विभाग की सिविल सर्जन डॉ. पूजा भारद्वाज का कार्यालय भी है। ईएसआइ डिस्पेंसरी में प्रतिदिन अलग-अलग बीमारियों के लगभग 200 मरीज आते हैं। यहां मरीजों और स्टाफ के लिए एक जैसा पानी उपलब्ध है यहां उपलब्ध पानी में टीडीएस की मात्रा 56 थी। हम नियमित रूप से महीने में दो बार पानी की जांच करवाते हैं। हमारे यहां मरीजों, स्वजन और सटाफ के लिए गुणवत्ता से परिपूर्ण पानी उपलब्ध है। हम पानी की समय-समय पर जांच करवाते हैं। अब फिर से ईएसआइसी अस्पताल में पानी में टीडीएस की जांच करवा लेते हैं। कमी मिली तो सुधार करवाया जाएगा।

पानी में अगर टीडीएस की मात्रा सामान्य है तो ठीक है। अगर सामान्य से अधिक है तो सेहत के हिसाब से ठीक नहीं है। पेट संबंधी बीमारियों की आशंका रहती है। पेट संक्रमण भी हो सकता है। किडनी को भी नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए शुद्ध पानी पीना ही बेहतर है।

पटौदी से चंडीगढ़ का सफर हुआ आसान, झज्जर डिपो ने शुरू की नई बस सेवा

पटौदी, एजेंसी। पटौदी क्षेत्र के लोगों के लिए राहतभरी खबर है। अब पटौदी से चंडीगढ़ के लिए एक और बस सेवा शुरू कर दी गई है। झज्जर डिपो की यह नई बस प्रतिदिन दोपहर तीन बजे पटौदी से रवाना होकर झज्जर, रोहतक और पानीपत होते हुए रात 11:30 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। वापसी में बस सुबह 6:15 बजे चंडीगढ़ से चलकर दोपहर 12:30 बजे झज्जर पहुंचेगी, हालांकि यह बस वापसी में पटौदी नहीं आएगी।

बस सेवा शुरू होने के अवसर पर पटौदी बस अड्डे पर खुशी का माहौल देखने को मिला। नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं पार्षद चंद्रभान सहगल, पूर्व उपाध्यक्ष एवं पार्षद राधेश्याम मक्कड़ तथा समाजसेवी रामनिवास पाटोदा ने बस के चालक व परिचालक का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान लोगों में लड्डू बांटकर खुशी का इजहार भी किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पटौदी क्षेत्र के लोगों को प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ में विभिन्न प्रशासनिक, न्यायिक एवं निजी कार्यों के लिए लगातार आना-जाना पड़ता है। रात 8:20 बजे रेवाड़ी से पटौदी होकर जाने वाली चंडीगढ़ की बस में अत्यधिक भीड़ रहती थी। ऐसे में नई बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने परिवहन विभाग से मांग की कि वापसी में भी बसों को पटौदी मार्ग से चलाया जाए। वक्ताओं ने कहा कि रेवाड़ी डिपो की रात्रिकालीन चंडीगढ़ बस भी वापसी में पटौदी नहीं आती, जिससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ती है।

क्या नेतन्याहू-अल नाहयान की हुई गुप्त मुलाकात : इस्राइल ने बताया ऐतिहासिक सफलता, अब यूएई ने किया खंडन

यरूशलम/अबू धाबी, एजेंसी। इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एक कथित 'सीक्रेट मीटिंग' को लेकर कूटनीतिक घमासान छिड़ गया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने दावा किया है कि पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के दौरान गुप्त रूप से यूएई का दौरा कर राष्ट्रपति अल नाहयान से मुलाकात की है। जहां इस्राइल इसे एक बड़ी सुरक्षा डील और ऐतिहासिक सफलता बता रहा है, वहीं यूएई ने इन दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। इस गुप्त दौरे की जानकारी सबसे पहले बुधवार देर रात इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान से मिली। इसके तुरंत बाद, प्रधानमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से दावा किया गया कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच संबंधों का एक नया अध्याय खोल दिया है।

यूएई ने किया खंडन :इस बीच संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें बेंजामिन नेतन्याहू की राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ कथित गोपनीय मुलाकात की बात कही गई थी। यूएई ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि इस्राइल के साथ उसके संबंध 'अब्राहम समझौते' के तहत पूरी तरह पारदर्शी हैं और गुप्त यात्रा या सैन्य सहयोग से जुड़ी ऐसी खबरें पूरी तरह निराधार और तथ्यों से परे हैं। यूएई के इस बयान के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई है?

अब्राहम अकॉर्ड्स से आगे बढ़ती साझेदारी :पिछले कुछ वर्षों में यूएई, इस्राइल के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदार के रूप में उभरा है। अब्राहम अकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक, पर्यटन और खुफिया जानकारी साझा करने का दायरा ।

बढ़ा है। लेकिन नेतन्याहू की इस ताजा गुप्त यात्रा से संकेत मिलते हैं कि अब बातचीत सामान्य राजनयिक संबंधों से कहीं आगे निकल चुकी है।

उषा को देखते ही मोहित हो गए थे वेंस: शादी के लिए ले लिया था बड़ा संकल्प, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की प्रेम कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के दौरान हुई पहली मुलाकात में ही उषा के प्रति काफी मोहित हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपने दोस्तों से कह दिया था कि या तो वह इस लड़की से शादी करेंगे अथवा जीवनभर अविवाहित रहेंगे। वेंस ने खुद यह खुलासा अपनी नई किताब में किया है। अपने संस्मरण कम्यूनियन : फाइंडिंग माय वे बैक टू फेद में वेंस ने लिखा है कि वह उषा की सुंदरता, बुद्धिमत्ता और अलग अंदाज से आकर्षित हुए थे जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। इस संस्मरण के कुछ अंश यूएसए टुडे ने प्रकाशित किए हैं। येल लॉ स्कूल में उषा बाला चिलुकुरी से मिलने वाले वेंस ने कहा कि वह पहली ऐसी व्यक्ति थीं जिनके लिए उन्होंने सच्चा प्रेम महसूस किया। यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित होगी। वेंस ने लिखा, जब मैं पहली बार उषा से मिला तो उनकी कई बातें मुझे असामान्य लगीं। उनमें से एक यह थी कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी थीं लेकिन मुझे यह आकर्षक से ज्यादा अजीब लगा।

नास्तिक से कैथोलिक बने वेंस :अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानने वाले व्यक्ति से नास्तिक बने और फिर कैथोलिक धर्म के प्रति रुझान बढ़ा। उन्होंने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया और कहा कि इस नए विश्वास ने उन्हें वह उद्देश्य दिया ।

की शिक्षा या वित्तीय क्षेत्र में काम करने से नहीं मिला था। वेंस की पहली पुस्तक हिलबिली एलेगी है जिसमें उनके बचपन की कहानी है जो हिंसा, शराबखोरी और गरीबी से प्रभावित था। उनकी यह पुस्तक काफी पंसद की गई।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है।

नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं।

उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया।

● मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक :

पीएम मो दी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है और उन्हें एक स्व-निर्मित नेता के रूप में वर्णित किया गया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है।

● भारत 2050 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है

सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

● भारतीय राजनीति में हिंदू राष्ट्रवाद निर्णायक शक्ति

पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। %नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

'वायनाड को भूल जाओ', नए सीएम की घोषणा पर कांग्रेस में कलह; राहुल गांधी के खिलाफ लगे पोस्टर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच, वायनाड और कोझिकोड में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को निशाना बनाने वाले पोस्टर सामने आए। ये पोस्टर वायनाड के कलपेट्टा में जिला कांग्रेस कार्यालय के नेम-बोर्ड पर और कोझिकोड में उत्तरी करासेरी स्थित प्रियंका के कार्यालय के पास दिखाई दिए। अंग्रेजी में छपे इन गुमनाम पोस्टरों में चेतावनी दी गई थी कि 'वायनाड अगला अमेठी बन जाएगा और गांधी भाई-बहन इस निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा जीत नहीं पाएंगे। बुधवार सुबह दोनों जिलों में लोगों ने इन पोस्टरों को देखा। माना जा रहा है कि मंगलवार रात को कुछ अज्ञात लोगों ने इन्हें लगाया था। जिला कांग्रेस नेतृत्व ने इन पोस्टरों को हटवा दिया। खबरों के अनुसार, अधिकारियों ने पोस्टर लगाने वाले व्यक्ति की फुटेज हासिल कर ली है। पार्टी ने एक आंतरिक जांच भी शुरू की है, और चेतावनी दी है कि अगर कोई कांग्रेस कार्यकर्ता इसमें शामिल पाया गया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, एक पोस्टर पर लिखा था, 'राहुल और प्रियंका, वायनाड को भूल जाओ। तुम यहां से दोबारा नहीं जीत पाओगे।' जबकि दूसरे पर लिखा था, यह कोई चेतावनी नहीं है; केरलम इस बड़ी गलती के लिए तुम्हें कभी माफ नहीं करेगा। ' इसके अलावा एक अन्य पोस्टर में कहा गया था, 'राहुल, भले ही तुम्हारे बैग बियरर (सामान उठाने वाले) हों, लेकिन केरलम की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी।

मुंबई में सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों पर मराठी साइनबोर्ड लगाना हुआ अनिवार्य, डिप्टी मेयर ने दिया अल्टीमेटम

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के डिप्टी मेयर संजय घाडी ने बुधवार को दुकानों और पांच सितारा होटलों व सेलिब्रिटी के स्वामित्व वाले आउटलेट समेत अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों को एक महीने के भीतर देवनागरी लिपि में मराठी में साइनबोर्ड लगाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि यदि ऐसा नहीं करते तो फिर ''शिव सेना स्टॉल'' में कार्रवाई के लिए तैयार रहें। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के दुकानों और प्रतिष्ठानों विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार मराठी साइनबोर्ड अनिवार्य हैं और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुंबई में लगभग नौ लाख दुकानें और प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से 5,020 ने अभी तक मराठी साइनबोर्ड प्रदर्शित करने के नियम का पालन नहीं किया है। शिव सेना पार्षद ने कहा कि नगर निकाय ने अब तक 3,114 प्रतिष्ठानों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है और 1.91 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है।

अगले 3 दिन झुलसाएगी गर्मी, 44 डिग्री तक पहुंचेगा पारा; आईएमडी ने जारी की चेतावनी

आगरा, एजेंसी। अगले तीन दिनों में तापमान में इजाफा हो सकता है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में 44 डिग्री तक पारा पहुंचने के आसार जताए हैं। बुधवार को अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया। बुधवार सुबह से ही लू के थपेड़े शुरू हो गए। दोपहर में तेज गर्मी के कारण लोग परेशान हो गए, हालांकि शाम को तेज हवा चली। करीब 42 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवा ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, लेकिन भीषण गर्मी से राहत नहीं मिल पाई।

कई सैलानियों की गर्मी से हालत बिगड़ी: भीषण गर्मी के कारण बुधवार को ताजमहल देखने आई फिरोजाबाद की एक बुजुर्ग महिला पर्यटक नीम तिराहा बैरियर के पास बेहोश होकर गिर पड़ी। जलेसर रोड निवासी सचिन कुमार अपनी 65 वर्षीय मां रजनी देवी के साथ ताजमहल देखने आए थे। सूचना मिलते ही बैरियर प्रभारी उप निरीक्षक सुभाषचंद्र यादव ने पश्चिमी पार्किंग स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र से डॉक्टर और एंबुलेंस को मौके पर बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल में भेज दिया। इसी तरह महाराष्ट्र की पर्यटक को दस्त और डिहाइड्रेशन की शिकायत, लखनऊ के अनुपम को उल्टी और महाराष्ट्र की बिजिला बाई के पैरों में दर्द के कारण चिकित्सा दी गई। स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर ने सभी पर्यटकों को ओआरएस का घोल और आवश्यक दवाएं देकर राहत पहुंचाई।

बरेली होकर एक और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन, समय सारिणी जारी

बरेली, एजेंसी। अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच बरेली होकर एक और अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन 14 मई से शुरू हो जाएगा। रेलवे ने बुधवार को इस साप्ताहिक गाड़ी की समय सारिणी जारी कर दी। बरेली होकर पहले से तीन जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। इनमें दो जोड़ी गाड़ियों का ठहराव बरेली जंक्शन पर है, जबकि एक जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस कैंट, रामगंगा, आंवला होते हुए चलाई जा रही है।

प्रत्येक बृहस्पतिवार को अमृतसर से चलेगी : मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 14664 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 14 मई से प्रत्येक बृहस्पतिवार को अमृतसर से चलेगी। यह ट्रेन बरेली जंक्शन पर रात 10:49 बजे पहुंचेगी। 14663 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस 16 मई से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह गाड़ी बरेली जंक्शन पर दोपहर 1:47 बजे पहुंचेगी।

25 मई से शुरू करा दें सुथनी प्लांट

गोरखपुर, एजेंसी। नगर आयुक्त अजय जैन ने बुधवार को ग्राम सुथनी में निर्माणाधीन एनटीपीसी प्लांट का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और अभियंताओं के साथ प्लांट की कार्यप्रणाली पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि 25 मई से प्लांट को हर हाल में शुरू किया जाए। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि सुथनी स्थित एनटीपीसी प्लांट को 25 मई से हर हाल में शुरू किया जाए ताकि शहर के कचरा निस्तारण और वेस्ट प्रोसेसिंग कार्य में तेजी लाई जा सके।

कमिश्नर जामोद ने जल संरक्षण कार्यों का किया निरीक्षण

सिंगरौली के ग्रामीण इलाकों में तालाब गहरीकरण, महिला समूहों के कार्य देखे

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। संभागायुक्त बीएस जामोद गुरुवार को सिंगरौली के दौरे पर पहुंचे उन्होंने ग्रामीण विकास जल संरक्षण और आजीविका से जुड़ी योजनाओं की स्थिति देखी दौरे का मुख्य उद्देश्य जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करना था।

तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण: उन्होंने नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 29 चंद्रमा टोला में माजन मोड़ गोदाम के पीछे चल रहे तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों को काम की गुणवत्ता और समय सीमा का पालन करने के निर्देश दिए गए कई गांवों में किया दौरा इसके बाद उन्होंने बैढ़न से उतानीपाठ तक लगभग 81 किलोमीटर का भ्रमण किया और पांच स्थानों का निरीक्षण किया। जरहा और रजमिलान में उन्होंने 'सिंहदेव महिला किसान उत्पादक कंपनी की कोदो–कुटकी प्रसंस्करण यूनिट देखी और महिला समूहों के काम की जानकारी ली तालाब और खेती से जुड़े कार्यों की समीक्षा रैला और खैराही में तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया कनपुरा गांव में स्व–सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत कर मशरूम उत्पादन और जैविक खेती की जानकारी ली गई ग्राम नगवां में नए तालाब निर्माण कार्य की शुरुआत भी की गई उतानीपाठ में जन चौपाल दौरे के अंत में उतानीपाठ में जन चौपाल लगाई गई जहां ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं यहां जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की सराहना की गई निरीक्षण के बाद संभागायुक्त रीवा के लिए रवाना हो गए।

840 ग्राम से जीवन तक की प्रेरक कहानी : एस.एन.सी.यू. सीधी ने नवजात को दिया नया जीवन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला चिकित्सालय के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में एक अत्यंत गंभीर अवस्था में भर्ती नवजात शिशु ने उपचार और समर्पित देखभाल के बल पर जीवन की जंग जीत ली मात्र 840 ग्राम वजन के साथ जन्मी इस बच्ची को अब स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया गया है बेबी ऑफ केमली यादव पति राजकुमार यादव को प्रसव पीड़ा के बाद जिला चिकित्सालय सीधी में भर्ती कराया गया था गर्भावस्था के केवल 26 सप्ताह में दिनांक 19 अप्रैल 2026 को समयपूर्व प्रसव हुआ। जन्म के समय नवजात का वजन मात्र 840 ग्राम था और उसे सांस लेने में गंभीर कठिनाई हो रही थी क्योंकि उसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे स्थिति अत्यंत गंभीर होने पर नवजात को तत्काल एस.एन.सी.यू. में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे के मार्गदर्शन तथा प्रभारी चिकित्सक डॉ. राहुल सिंह चंदेल के नेतृत्व में चिकित्सकों और नर्सिंग टीम ने फैसिलिटी बेस्ड नियोनेटल केयर गाइडलाइंस के अनुसार समर्पित उपचार प्रदान किया नवजात को प्रारंभ में ऑक्सीजन सपोर्ट (मैनुअल सी–पैप) दिया गया बाद में नेजल प्रॉन्ज के माध्यम से ऑक्सीजन सपोर्ट जारी रखा गया सांस रुकने की गंभीर समस्या को देखते हुए ैनतबिजंदज इंजेक्शन दिया गया जिससे धीरे–धीरे उसकी श्वसन स्थिति में सुधार होने लगा चिकित्सकीय देखभाल के साथ नवजात को नली के माध्यम से मां का दूध देना शुरू किया गया और धीरे–धीरे मात्रा बढ़ाई गई। उपचार में कंगारू मदर केयर (ज्ञडब) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई माता ने प्रतिदिन अधिकतम समय तक शिशु को केएमसी दिया जिससे बच्ची के स्वास्थ्य और वजन में लगातार सुधार हुआ करीब 24 दिनों तक एस.एन.सी.यू. में उपचार के बाद नवजात पूरी तरह स्वस्थ हुई आंखों की जांच सहित सभी आवश्यक परीक्षण किए गए जब बच्ची का वजन बढ़कर 1.357 किलोग्राम हो गया और माता उसकी देखभाल में सक्षम हो गई तब 13 मई 2026 को स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया गया इस सफ्लता ने एक बार फ्रि साबित किया है।

रामगढ़ नंबर-2 में जल चौपाल आयोजित, जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी का आह्वान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण अंतर्गत विकासखंड सीधी की ग्राम पंचायत रामगढ़ नंबर–2 में जल स्त्रोत्र सेवा समागम कार्यक्रम के तहत जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जनजागरूकता का संदेश दिया गया तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी, संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर, विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्ष, कन्या एवं कलश पूजन के साथ हुई, जहां सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का संकल्प लिया जल चौपाल को संबोधित करते हुए कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेशव्यापी अभियान संचालित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों की नियमित साफ्-सफ्ई और गहरीकरण से जल संचय बढ़ेगा जिससे कृषि उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में जल स्त्रोतों की सफ्ई, गहरीकरण एवं जन चौपालों के माध्यम से निरंतर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं उन्होंने जल संरक्षण के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा करते हुए ग्रामीणों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया इस अवसर पर नवांकुर प्रस्फुटन परामर्शदाता छात्र–छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी : 175 दैनिक वेतनभोगी नियमितीकरण की मांग पर अड़े, शहर में लगे कचरे के ढेर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम के 175 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही कर्मचारियों के काम बंद करने से शहर की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मुख्य मार्गों, चौराहों और गलियों में कचरे के अंबार लगने से नागरिकों को गंदगी और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।

नियमितीकरण और आवास की प्रमुख मांग: हड़ताली कर्मचारी अपनी दो प्रमुख मांग नियमितीकरण और आवास सुविधा को लेकर अड़े हुए हैं। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने कहा कि ग्वालियर और जबलपुर जैसे नगर निगमों में दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किया जा चुका है तो सिंगरौली के साथ यह भेदभाव क्यों कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें लंबे समय से केवल आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई विधायक पहुंचे धरना स्थल मंत्री से चर्चा का आश्वासन दिया हड़ताल समाप्त कराने के लिए सिंगरौली विधायक धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वे उनकी जायज मांगों को लेकर प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। विधायक की अपील के बावजूद कर्मचारियों ने फिलहाल आंदोलन खत्म करने से इनकार कर दिया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच बढ़ा संकट: यह हड़ताल ऐसे समय में हो रही है जब शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है शहर में फैली गंदगी से रैंकिंग प्रभावित होने का डर बना हुआ है निगम प्रशासन और कर्मचारियों के बीच कई दौर की बातचीत विफल होने के बाद अब शहरवासियों की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

105 हितग्राहियों को मिले सहायक उपकरण, रामपुर नैकिन में आयोजित वितरण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला सीधी द्वारा जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में भारत सरकार की बायोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 105 हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए वितरण कार्यक्रम में हितग्राहियों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र (कान की मशीन), सुगम्य केन, आईडी किट सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाना रहा यह कार्यक्रम अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उपसंचालक धनंजय मिश्रा तथा सीईओ जनपद पंचायत रामपुर नैकिन राजीव लोचन तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ उपकरण वितरण प्रक्रिया में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस दौरान ट्रांस डिसीप्लिनरी विशेष शिक्षक (आईडी) शिवांशु शुक्ला एवं सीनियर फ्जियोथैरेपिस्ट डॉ. दीपक त्रिपाठी ने चिन्हांकित हितग्राहियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम में समाजसेवी चंद्रशेखर साकेत, जनपद सदस्य अरुण शेखर त्रिपाठी, दिग्विजय, आशीष कुमार अग्निहोत्री, महेंद्र सिंह भदौरिया आलोक शुक्ला, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रीति वर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

628 लाख का स्मार्ट बस स्टैंड बदहाल : गंदगी, अव्यवस्था और आधी बसों का संचालन पुराने स्टैंड पर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मिनी स्मार्ट सिटी योजना के तहत 628.55 लाख रुपए की लागत से निर्मित अंतरराज्यीय बस स्टैंड का निर्माण 2022 में पूरा हुआ था 10 दिसंबर 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन किया था हालांकि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद यात्रियों को आज भी यहां मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। बस स्टैंड में गंदगी अव्यवस्था और अधूरे संचालन को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी है यात्रियों का कहना है कि आज भी आधी बसें पुराने बस स्टैंड से ही संचालित होती हैं कुछ बसें तो सड़क किनारे ही यात्रियों को बैठाकर निकल जाती हैं नए बस स्टैंड में न तो नियमित साफ–सफाई होती है और न ही यात्रियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं यात्री रोहित साकेत ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से यहां आ रहे हैं लेकिन बस स्टैंड की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने शौचालयों की खराब हालत और जगह–जगह पान–गुटखा की पीक फैले होने की शिकायत की साकेत के अनुसार कई बार तो महीनों तक सफाई नहीं होती पुष्पेंद्र सिंह नामक एक अन्य यात्री ने बताया कि बस स्टैंड परिसर में भारी गंदगी फैली रहती है दुकानदार केवल अपनी दुकानों के सामने सफाई करते हैं जबकि आसपास कचरे का ढेर लगा रहता है खुले में पेशाब करने वालों पर भी कोई रोक–टोक नहीं है उन्होंने यह भी कहा कि ज्यादातर बसें नए बस स्टैंड तक आती ही नहीं हैं जिससे यात्रियों को काफी परेशानी होती है इसी अव्यवस्था को लेकर गुरुवार को शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे अपने कार्यकर्ताओं के साथ नए बस स्टैंड पहुंचे। उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और निरीक्षण के दौरान कई अव्यवस्थाएं पाईं इसके बाद उन्होंने गोपद बनास एसडीएम से चर्चा कर जल्द साफ–सफाई और व्यवस्थाएं सुधारने की मांग की विवेक पांडे ने आरोप लगाया कि नगर पालिका और संबंधित अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च कर बनाया गया अंतरराज्यीय बस स्टैंड आज भी बदहाल स्थिति में है पांडे ने यह भी कहा कि बसों का संचालन व्यवस्थित तरीके से नहीं हो रहा है ।

और बसें सही ढंग से खड़ी भी नहीं होतीं जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की है उन्होंने यह भी कहा कि जिला कलेक्टर के आने के बाद लोगों को व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद थी लेकिन अब तक उन्होंने बस स्टैंड का निरीक्षण तक नहीं किया वहीं जब इस मामले में गोपद बनास एसडीएम से चर्चा करने की कोशिश की गई तो उन्होंने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

विकास प्राधिकरण अध्यक्ष ई-रिक्शा से बैढ़न पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने नहीं मानी पीएम की अपील

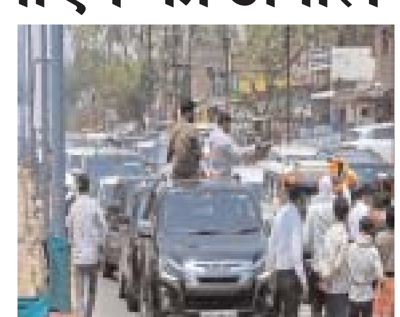

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल गुरुवार को मोरवा स्थित अपने आवास से ई–रिक्शा में सवार होकर बैढ़न जिला मुख्यालय पहुंचे उनकी इस यात्रा के पीछे 200 से अधिक वाहनों का लंबा काफिला भी चला भाजपा क ार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से किया स्वागतलगभग 27 किलोमीटर लंबी यह यात्रा मोरवा से शुरू होकर जयंत, अमलोरी, निगाही और माजन मोड़ जैसे कई इलाकों से गुजरी। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और नारों के साथ उनका स्वागत किया बैढ़न पहुंचने के बाद अध्यक्ष गोयल सबसे पहले भाजपा जिला कार्यालय गए। वहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जहां उनके सम्मान में एक स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया 200 वाहनों का काफिला पीछे चला इस ई–रिक्शा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में वाहनों का काफिला निकलने को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। प्रधानमंत्री द्वारा समय–समय पर वीआईपी संस्कृति और अनावश्यक लाव–लश्कर से बचने की अपील की जाती रही है इस पृष्ठभूमि में इतने बड़े काफिले पर सवाल उठने लगे अध्यक्ष बोले– कार्यकर्ताओं का काफिला था, उन्होंने रोकना मुश्किल इस मामले पर वीरेंद्र गोयल ने कहा कि वह प्रधानमंत्री के आह्वान का पूरी तरह समर्थन करते हैं। उन्होंने बताया कि इसी कारण वह अपने आवास से बिना किसी लाव–लश्कर के ई–रिक्शा में निकले थे गोयल ने स्पष्ट किया कि यह काफिला कार्यकर्ताओं का था, जो उत्साहित थे और उन्हें रोक पाना संभव नहीं था उन्होंने यह भी कहा कि उनके किसी पदाधिकारी ने वाहन काफिला लेकर यात्रा नहीं की।

कुसमी में नए SDM ऑफिस भवन का लोकार्पण :डेढ़ करोड़ की लागत से बना, 40 गांवों के लोगों को मिलेगी सुविधा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी क्षेत्र में गुरुवार को नवीन एसडीएम कार्यालय भवन का लोकार्पण किया गया लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस हाईटेक भवन से क्षेत्र के करीब 40 गांवों के लोगों को सुविधा मिलेगी दोपहर 2 बजे आयोजित कार्यक्रम में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया इस अवसर पर एसडीएम कुसमी शैलेंद्र द्विवेदी, तहसीलदार नारायण सिंह, जनपद अध्यक्ष श्यामबाती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, ग्राम पंचायत भगवार सरपंच चेतना सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे यह नवीन भवन पूरी तरह हाईटेक सुविधाओं से लैस है। इसके शुरू होने से ग्रामीणों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए बेहतर सुविधा और व्यवस्थित वातावरण मिल सकेगा। अब दूर–दराज से आने वाले लोगों को पुराने जर्जर भवन की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा भवन में आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग–अलग कक्ष बनाए गए हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए पृथक शौचालय की व्यवस्था की गई है वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कक्ष तैयार किया गया है जहां बैठकर वे आसानी से अपने कार्य करवा सकेंगे सभी कमरों में पंखे और कूलर लगाने की व्यवस्था विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अधिकारियों को अब वातानुकूलित और व्यवस्थित भवन उपलब्ध हो गया है जिससे आम जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि भवन के सभी कमरों में पंखे और कूलर लगाने ह्यकी व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को गर्मी में परेशानी न हो भवन में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं आग से सुरक्षा हेतु अग्निशमन यंत्रों की भी व्यवस्था की गई है पीने के स्वच्छ पानी के लिए आरओ सिस्टम लगाया गया है अधिकारियों के सुचारु कार्यालयीन कार्य संचालन हेतु अतिरिक्त कक्ष भी बनाए गए हैं।

रिलायंस कन्वेयर बेल्ट चालू होने से दो श्रमिक घायल, परिजनों ने विरोध में किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के नवानगर थाना क्षेत्र में स्थित रिलायंस सासन पावर प्लांट में गुरुवार को हादसा हो गया मेंटेनेंस कार्य के दौरान कन्वेयर बेल्ट अचानक चालू हो गई जिससे दो श्रमिक घायल हो गए दोनों श्रमिक बेल्ट में फंसे घायलों की पहचान रामकृपाल और नागेंद्र सिंह के रूप में हुई है। आरोप है कि मेंटेनेंस के दौरान लापरवाही से बेल्ट चालू हो गई, जिससे दोनों श्रमिक उसमें फंसकर नीचे गिर गए अस्पताल में भर्ती फिर बनारस रेफर सहकर्मियों ने दोनों को तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए बनारस रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों का इलाज जारी है दोनों श्रमिक माडा थाना क्षेत्र के कोयलखूथ और भुडकुड गांव के रहने वाले हैं घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे प्रशासन मौके पर पहुंचा सूचना पर तहसीलदार सविता यादव मौके पर पहुंचीं उन्होंने परिजनों से बात कर इलाज और मुआवजे का आश्वासन दिया जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ जांच की बाद घटना के बाद कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं प्रशासन की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है।

दवा नहीं दिल में खोट : मानवता के प्रति अपराध है घटिया औषधि

संपादकीय

पिछले दिनों सामने आई यह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ से साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए।

पेपर लीक - लचर न्याय प्रक्रिया के साइड इफेक्ट

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

एक बार फिर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई। पिछले दस सालों में यह चौथा मौका है जब देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक नीट यूजी में पेपर लीक होने की घटना हुई है। नीट के अलावा पिछले दस सालों में लगभग सौ प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। विश्वगुरु होने का दावा करने वाले देश के लिये यह बेहद शर्मनाक घटना है। प्रतियोगी परीक्षा के पीछे केवल परीक्षार्थियों की मेहनत और महत्वाकांक्षा ही ध्वस्त नहीं होती, उनके परिवार के सपने भी टूटते हैं और सारा त्याग और सम्बल व्यर्थ हो जाता है। साथ ही देश के संसाधनों की बरबादी होती है और छात्रों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। उन्नत टेक्नोलॉजी के दौर में देश एक सुरक्षित और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित नहीं कर पाता तो यह सिस्टम की घोर असफलता है। समय और संसाधनों की बरबादी के अलावा ऐसी घटनाओं से देश की प्रतिष्ठा हानि भी होती है।

सवाल यह है कि ऐसा होता क्यों है? इसके पीछे कई फैक्टर हैं जैसे छात्रों और उससे ज्यादा उनके परिवारों की महत्वाकांक्षा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्थानों का रैकेट और काला धन। दरअसल पढ़ाई या नौकरी से संबंधित कोई भी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षा व्यवस्था के दलालों और कोचिंग रैकेट के सरगनाओं के लिए एक कमाई का मौका बन जाती है। पेपर लीक तो सिर्फ पहली सीढ़ी है, उसके बाद मूल्यांकन में गड़बड़ी, मेरिट लिस्ट में हेराफेरी, अलॉटमेंट में जुगाड़ वगैरह सब पर शिक्षा माफिया का कंट्रोल होता है। अगर कहीं चूक हो जाए तो शोर मच जाता है वरना ये सब घोटाला बदस्तूर चलता रहता है।

लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर है; हमारी लचर न्याय प्रक्रिया! समाज के हर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध वास्तव में कमजोर न्याय प्रक्रिया का साइड इफेक्ट है। मसलन बीसियों बार पेपर लीक हो चुके हैं अथवा नियुक्ति प्रक्रिया रद्द की गई है मगर हमारी सरकारें कुछ सीखती ही नहीं। लोगों को वर्ष 2013 में मध्यप्रदेश का बहुचर्चित और बदनाम व्यापम घोटाला जरूर याद होगा जिसमें अनेक अपात्रों को मेडीकल कॉलेजों में दाखिला और कई अन्य विभागों में नौकरी दिलाई गई थी। मगर यह किसी को याद नहीं होगा कि पुलिस की चार्ज शीट में लगभग 3000 लोगों के नाम होने के बाद बमुश्किल 100 लोगों को सजा हुई। वह भी लम्बी ट्रायल, जमानत और अपील वगैरह के बाद। ऐसा अमूमन हर घोटाले के साथ होता है। पकड़े जाने पर मीडिया में शोरगुल, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन, जाँच और फिर कानूनी प्रक्रिया का लम्बा दौर। कई बार तो आरोप पत्र ही सालों बाद कोर्ट में पेश होता है। इस लेट लतीफी का लाभ लेकर जमानत पर छूटे चतुर अपराधी सबूतों और गवाहों की भूल भुलैया में केस उलझा देते हैं। आखिर में कुछ लोगों को दण्डित कर मामला खत्म कर दिया जाता है। इस सारी प्रक्रिया में सिस्टम से जुड़े उच्चाधिकारी साफ बच निकलते हैं क्योंकि उनके अलिखित आदेशों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता। ये तमाशा केवल पेपर लीक और परीक्षाओं के मैनेज करने तक नहीं बल्कि हर तरह के भ्रष्टाचार में दिखाई देता है। ईडी, इन्कम टैक्स, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जीएसटी वगैरह किसी भी एजेंसी का मामला हो आखिर में अंजाम लगभग यही होता है। डकैती, रेप और हत्या जैसे संगीन अपराधों में भी न्याय प्रक्रिया की कमजोरी और लेट लतीफी आखिर अपराधियों को ही लाभ पहुंचाती है।जनता भी जब-तब उजागर होने वाले नए घोटालों की सनसनी में पुराने मामले भूलती जाती है। अपराधियों के हौसले इस कदर बुलन्द हैं कि आजकल जमानत पर छूटने का भी जश्न मनाया जाता है। जाहिर है कि जमानत पर छूट जाना ही अपराधी के लिए कामयाब हो जाना है क्योंकि मुकदमा तो सालों तक चलना निश्चित ही है। कई अपराधी जमानत पर छूटकर दोबारा भी अपराध कर गुजरते हैं।

अधिकांश घोटाले अथवा अपराध कुछ लोगों तक ही सीमित होते हैं लेकिन जब पेपर लीक या नियुक्ति रद्द होने जैसी घटनाएं होती हैं तो लाखों लोग प्रभावित होते हैं। नीट यूजी की परीक्षा लगभग 22 लाख छात्रों ने महीनों की कड़ी मेहनत झोंक दी होगी। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में लगभग 25000 नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम सोना बचत और वर्क फ्रॉम होम का संदेश

सुनील कुमार महला

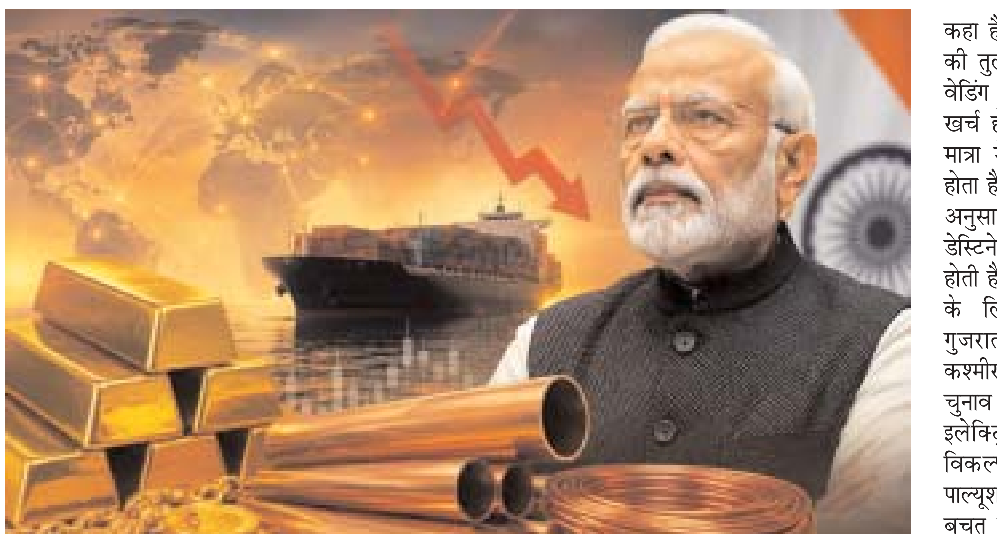

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, वर्क फ्रॉम होम(जैसा कि हमने कोविड काल के दौरान इसे अमल में लाया था) जैसे उपाय अपनाने तथा एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने की अपील की है। वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह अपील पश्चिम एशिया संकट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के संदर्भ में की गई है। पिछले कुछ समय से हमारे देश के साथ ही साथ पूरे विश्व ने पश्चिम एशिया संकट का सामना किया। मसलन, युद्ध के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों में जहां एक ओर महंगाई का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तेल-गैस संकट के बादल भी मंडराए। गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें हमें हर कहीं पर देखने को मिलीं,कई स्थानों पर तो तेल के लिए भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल और सोने पर अधिक खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है तथा व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम हर क्षेत्र में बचत को महत्व दें। वास्तव में मनुष्य के जीवन में बचत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। बचत केवल हमारे अर्थ(धन) को ही सुरक्षित रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की सुरक्षा, हमारी आत्मनिर्भरता और संतुलित जीवन का आधार भी बनता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य के जीवन में कभी भी अचानक बीमारी, आर्थिक संकट, बेरोजगारी या अन्य कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। ऐसे समय में बचत ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है। यही कारण है कि कहा जाता है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ी शक्ति बन जाती हैं।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में बचत की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे यहां तो लोग सदैव सादा जीवन, उच्च विचार और विवेकपूर्ण खर्च को महत्व देते आए हैं। प्राचीन काल गांवों में लोग अनाज, घी, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह करके रखते थे, ताकि कठिन समय में परिवार सुरक्षित रह सके। गृहिणियाँ भी घर के खर्च से थोड़ा-थोड़ा बचाकर भविष्य के लिए संचित करती थीं। यही पारिवारिक बचत भारतीय समाज की आर्थिक मजबूती का आधार रही है।हमारे बुजुर्ग हमेशा यह शिक्षा देते थे कि आय से कम खर्च करना चाहिए और अनावश्यक दिखावे से बचना चाहिए। भारतीय परिवारों में बच्चों को भी छोटी उम्र से ही गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत डाली जाती रही है। यह केवल आर्थिक शिक्षा नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का संस्कार भी है। बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि बचत की प्रेरणा हमें चींटियों से लेनी चाहिए। वास्तव में, चींटियां हमें बचत, परिश्रम और दूरदर्शिता की अद्भुत प्रेरणा देती हैं। छोटी-सी दिखाई देने वाली चींटी अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर मेहनत करती रहती है। वह अनुकूल समय में भोजन के छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके अपने बिल में जमा करती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे कठिनाई न हो। यही कारण भी है कि चींटी को बचत और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि थोड़ी-थोड़ी बचत भविष्य में बड़े संकटों से बचा सकती है। जिस प्रकार चींटी कभी आलस्य नहीं करती और लगातार अपने लक्ष्य में लगी रहती है, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में परिश्रम, संयम और बचत की आदत अपनानी चाहिए। चींटियां यह संदेश देती हैं कि भविष्य की चिंता केवल सोचने से नहीं, बल्कि आज से तैयारी करने से दूर होती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि छोटी कोशिशें और छोटी बचतें ही आगे चलकर बड़ी ताकत बनती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि चींटियां केवल प्रकृति का जीव नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की एक महान शिक्षक भी हैं।आज उपभोक्तावाद और दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बचत की आदत कमजोर होती जा रही है, जबकि वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। बचत व्यक्ति को आत्मविश्वास देती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाती है। इसलिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए बचत को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की भी अपील की। साथ ही विदेश यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और गैर-जरूरी खर्चों को टालने का आग्रह किया।लोकल फॉर वोकल से देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश और अधिक आर्थिक तरक्की तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री की यह अपील आर्थिक अनुशासन, विदेशी मुद्रा संरक्षण और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। आज हम अनावश्यक खर्च करते हैं। हम संसाधनों का सही व विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें और जहां तक हो सके बचत को जीवन में अपनाएं। वास्तव में प्रधानमंत्री की यह कटौती की नहीं, बल्कि स्मार्ट लाइफ स्टाइल की सलाह है, और हम मिलकर ये सब आसानी से कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि समझदारी से खर्च बनेगा देश के लिए आर्थिक रूप से बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकता है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार यह नहीं कह रहे कि कोई संकट है, जिसमें हमें खर्च घटाने हैं, बल्कि उन्होंने तो यह अपील की हैं कि युद्ध के इस दौर में हमें ऐसे खर्च कम करने हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। हम स्मार्ट लाइफ स्टाइल अपनाकर इस बर्बादी को रोक सकते हैं, ताकि देश के सामने आर्थिक संकट न आए।कोविड काल में हमने बचत के बड़े उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मसलन, घर से कामकाज किया, तेल की बचत हुई, पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली।हमारी उत्पादकता (प्रोडेक्टिविटी) में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी देखने को मिली। जब संकट आए तब ही हम बचत क्यों करें, जीवन के हर पलों में हमें बचत करनी चाहिए, ताकि कभी कोई संटक आए ही नहीं।पीएम ने वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है, जो संसाधनों की बचत के साथ आर्थिक नजरिये से भी फायदेमंद है। ऐसे ऑर्गनाइजेशन जहां, 100-200 या ज्यादा स्टाफ है, वहां लोगों को वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मॉडल में काम की सुविधा दी गई तो तेल का खर्च बचेगा। यात्रा की थकान कम होगी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने और गैर-जरूरी विदेश यात्रा टालने को कहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश की तुलना में विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग में 30-36% तक ज्यादा खर्च होता है। इसमें देश का बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भंडार खर्च होता है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी भारत की हर 100 डेस्टिनेशन वेडिंग में 15 विदेश में होती है। भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, हिमाचल और कश्मीर जैसी कई जगहें हैं, जिनका चुनाव किया जा सकता है। आज इलेक्ट्रिक गाड़ी सबसे प्रभावी विकल्प है,बचत का। इससे पाल्यूशन भी नहीं होता,तेल की भी बचत होती है।सरल शब्दों में कहें तो इलैक्ट्रिक व्हीकल (ई-व्हीकल) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये वाहन पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण फैलाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। ई-व्हीकल चलाने में खर्च भी कम आता है, क्योंकि बिजली की लागत ईंधन से सस्ती होती है। इसके अलावा, ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है और देश की तेल पर निर्भरता घटती है। आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। आज केमिकल खाद के स्थान पर जैविक खाद का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद सिद्ध हो सकता है। इससे धन की भी बचत होगी तथा स्वास्थ्य के भी फायदे होंगे। वास्तव में केमिकल खाद का कम उपयोग करने के लिए सॉइल मैपिंग और सॉइल हेल्थ कार्ड बहुत उपयोगी हो सकते हैं। इससे यह पता चल सकेगा कि किस क्षेत्र की मिट्टी में कौन-से पोषक तत्व की कमी है। उसी अनुसार वहां जरूरत जितनी ही रासायनिक खाद भेजी जाए। ड्रिप और फर्टि-इरिगेशन तकनीक से खाद और पानी की बर्बादी भी रुकेगी। सरकार कंपनियों के लिए यह नियम बना सकती है कि वे जितनी रासायनिक खाद बनाएं, उसका 26 प्रतिशत बायोफर्टिलाइजर भी तैयार करें। जैविक खाद पर सब्सिडी मिलने से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इन उपायों से रासायनिक खाद के आयात पर होने वाला खर्च काफी कम हो सकता है। प्रधानमंत्री ने सोना नहीं खरीदने या जरूरत होने पर ही सोना खरीदने की सलाह दी है। दरअसल, आज भारत दुनिया में सबसे ज्यादा सोना खरीदने वाले देशों में शामिल है।पाठक जानते होंगे कि हमारा देश बड़ी मात्रा में सोना विदेशों से आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा का बहुत खर्च होता है। यदि लोग गैर जरूरी सोने की खरीद कम करें, तो देश का आयात बिल घटेगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे सरकार के पास पेट्रोल, गैस, तकनीक और जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए अधिक पैसा बचेगा।कम सोना खरीदने से लोग अपनी बचत बैंक, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या उद्योगों में निवेश कर सकते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार को मजबूती मिलेगी।

साथ ही, व्यापार घाटा कम होगा और रुपये की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।इसके अलावा, पीएम ने खाने में तेल के कम इस्तेमाल की भी सलाह दी है। वास्तव में इसके पीछे का मकसद तेल आयात में होने वाले बड़े खर्च को कम करना है। अच्छी सेहत के लिए भी यह जरूरी है। ज्यादा तेल वाला खाना अनेक बीमारियों का कारण बनता है। कम तेल का खाना शरीर स्वस्थ रखता है। घर खर्च भी कम होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नॉन-स्टिक बर्तनों और एयर फ्रायर के इस्तेमाल से भी कम तेल में अच्छा खाना बना सकते हैं।अंत में यही कहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों को बचत बढ़ाने, गैर-जरूरी खर्चों से बचने और संसाधनों का संयमित उपयोग करने की दी गई सलाह केवल व्यक्तिगत आर्थिक अनुशासन का संदेश नहीं है, बल्कि देशहित से जुड़ा व्यापक दृष्टिकोण भी है। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई, ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर में बचत की आदत परिवार और राष्ट्र दोनों को आर्थिक मजबूती देती है। जब लोग अनावश्यक खर्च कम करते हैं, ईंधन और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हैं तथा घरेलू बचत बढ़ाते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था अधिक स्थिर और आत्मनिर्भर बनती है।सच तो यह है कि प्रधानमंत्री की बचत की सलाह कोविड काल की तरह सामूहिक जिम्मेदारी, आत्मसंयम और राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का संदेश देती है। यह केवल आर्थिक बचत नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी है।

पेपर लीक - हर शाख पर उल्लू बैठे हैं अंजाम गुलिस्ताँ क्या होगा?

2026 नीट यूजी परीक्षा रद्द होने की खबर ने केवल लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को सकते में डाल दिया है,न सिर्फ एक अविश्वास और संदेह के माहौल को जन्म दिया है और देश की तमाम प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक प्रश्नपत्र के लीक होने का नहीं है, बल्कि उन सपनों के टूटने का है, जिनके सहारे देश के लाखों युवा और उनके परिवार वर्षों तक तक संघर्ष संघर्ष करते करते हैं।।हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने की चाह में विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं, माता-पिता अपनी इच्छाएं दबाकर बच्चों की तैयारी में सहयोग करते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा प्रणाली का नहीं, बल्कि भरोसे का होता है। देश में प्रतियोगी परीक्षाएं लंबे समय से मेहनत, योग्यता और निष्पक्षता का प्रतीक मानी जाती रही हैं। खासकर नीट जैसी परीक्षा, जिसमें लाखों छात्र शामिल होते हैं, केवल प्रवेश परीक्षा नहीं होती, बल्कि भविष्य तय करने वाला एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। इसलिए जब ऐसी परीक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो उसका असर केवल परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रहता। इसका असर घरों, कोचिंग संस्थानों, छोटे शहरों, गांवों और उन परिवारों तक पहुंचता है, जिन्होंने अपने बच्चों को डॉक्टर बनते देखने का सपना देखा होता है। नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने बड़े स्तर की परीक्षा व्यवस्था में सेंध कैसे लगी। परीक्षा की तैयारी से लेकर प्रश्नपत्र निर्माण, छपाई, परिवहन, भंडारण और वितरण तक कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था होती है। इसके बावजूद यदि पेपर बाहर पहुंच जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं सिस्टम में गंभीर कमजोरी है। यह कमजोरी केवल तकनीकी नहीं हो सकती, बल्कि प्रशासनिक, मानवीय और नैतिक स्तर पर भी हो सकती है। पेपर लीक का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अब आकस्मिक अपराध नहीं रहा, बल्कि संगठित अवैध कारोबार का रूप लेता जा रहा है। इस पूरी व्यवस्था में ऊपर बैठे मास्टरमाइंड से लेकर स्थानीय एजेंटों तक एक लंबी श्रृंखला काम करती है। कोई प्रश्नपत्र तक पहुंच बनाता है, कोई उसे क्षेत्रीय स्तर पर बेचता है, कोई छात्रों और अभिभावकों से संपर्क करता है, तो कोई सॉल्वर या जवाब तैयार करने वालों की व्यवस्था करता है। यह पूरी प्रक्रिया बताती है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी अपराधी मानसिकता ने एक समानांतर बाजार बना लिया है। इस तथाकथित लीक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार छात्रों की मजबूरी और परिवारों की चिंता है।

इससे पहले भी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 2021:एग्जाम के दौरान एग्जाम शुरू होने से करीब आधे घंटे पहले सोशल मीडिया पर नीट 2021 का क्वेश्चन पेपर वायरल होता मिला. पुलिस ने इस मामले में एक 18 साल के कैंडिडेट, एग्जाम सेंटर के एडमिनिस्ट्रेशन यूनिट के इंचार्ज और चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया.5 मई, 2024 को हुई नीट एग्जाम के बाद पेपर लीक, ऑर्गनाइज्ड चीटिंग और गड़बड़ियों के आरोप सामने आने के बाद 2024 में यह विवाद शुरू हुआ.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 7 सालों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से ज़्यादा एग्जाम पेपर लीक हुए हैं, जिससे 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं के करियर पर असर पड़ा है.

आपको बता दें मेडिकल सीटों की संख्या सीमित है, प्रतियोगिता बहुत कठिन है और सफल होने का दबाव बेहद अधिक है। इसी दबाव का लाभ उठाकर लाल और गिरोह छात्रों के भविष्य को बेचने का धंधा करते हैं। कुछ लोग लाखों रुपये देकर अनुचित लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में लाखों ईमानदार छात्रों के अधिकारों पर चोट पहुंचती है। जो छात्र रातों की नींद छोड़कर पढ़ते हैं, जो परिवार कर्ज लेकर कोचिंग की फीस भरते हैं, वे इस भ्रष्ट तंत्र के सबसे बड़े पीड़ित बन जाते हैं। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 2024 जैसा सख्त कानून लागू किया है। इस कानून में पेपर लीक, ओएमआर शीट में छेड़छाड़, साइबर हैकिंग, संगठित अपराध और परीक्षा एजेंसियों की मिलीभगत जैसे मामलों पर कठोर सजा का प्रावधान कटार प्रावधान है। जेल, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्ती और परीक्षा कराने वाली एजेंसियों पर रोक जैसे प्रावधान निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। लेकिन केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून का डर तभी पैदा होगा, जब जांच तेन, निष्पक्ष और परिणाम तक पहुंचने वाली हो। पेपर लीक मामलों में अक्सर देखा गया है कि शुरुआती कार्रवाई तो तेज होती है, कुछ गिरफ्तारियां भी होती हैं, लेकिन समय बीतने के साथ मामला धीमा पड़ जाता है। छोटे एजेंट पकड़ में आते हैं, लेकिन बड़े चेहरे बच निकलते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, भी ऐसा हुआ, तो छात्रों का भरोसा और कमजोर होगा। जरूरत इस बात की है कि जांच केवल पेपर बेचने वाले दलालों तक सीमित न रहे, बल्कि यह पता लगाया जाए कि प्रश्नपत्र तक पहली पहुंच किसे मिली, सुरक्षा घेरा कहां टूटा, किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई और किसने कितनी कमाई की। इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश निश्चित रूप से गंभीरता का संकेत है, लेकिन जांच का वास्तविक मूल्य उसके परिणाम से तय होगा। यदि मास्टरमाइंड, नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन और परीक्षा व्यवस्था में शामिल दोषियों को कठोर सजा मिलती है, तभी यह संदेश जाएगा कि शिक्षा से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। केवल परीक्ष परीक्षा रद्द करना समाधान नहीं है। परीक्षा रद्द होने से ईमानदार छात्रों को दोहरी सजा मिलती है। पहले वे लीक से प्रभावित होते हैं, फिर दोबारा परीक्षा की अनिश्चितता, मानसिक तनाव और आर्थिक बोझ उठाते हैं। यह भी समझना होगा कि पेपर लीक केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। यह सामाजिक नैतिकता का भी प्रश्न है। जब कुछ परिवार सफलता के लिए शॉर्टकट खोजते हैं, जब कुछ छात्र मेहनत के स्थान पर खरीदे गए प्रश्नपत्र पर भरोसा करते हैं, जब शिक्षा केंद्र और कोचिंग नेटवर्क के कुछ लोग लालच में अपराध से जुड़ते हैं, तब पूरी व्यवस्था दूषित होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई ठोस कदमों की आवश्यकता है। प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित बनाया जाना चाहिए। डिजिटल ट्रैकिंग, सीमित मानव हस्तक्षेप, सुरक्षित प्रिंटिंग व्यवस्था, केंद्रों की निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं मजबूत करनी होंगी। परीक्षा केंद्रों के चयन, कर्मचारियों की पृष्ठभूमि जांच और संवेदनशील राज्यों या केंद्रों पर विशेष निगरानी भी जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल केवल परीक्षा कराने के लिए नहीं, बल्कि परीक्षा को सुरक्षित रखने के लिए भी होना चाहिए। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर यह साबित किया है कि भारत की परीक्षा प्रणाली को केवल पैचवर्क सुधारों से नहीं बचाया जा सकता। जरूरत व्यापक सुधार की है। जब तक परीक्षा व्यवस्था को पूर्ण पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा, जवाबदेही और त्वरित दंड व्यवस्था से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक पेपर लीक की त्रासदी बार-बार लौटती रहेगी। हर बार छात्र सड़कों पर होंगे, परिवार निराश होंगे और एजेंसियां सफाई देती रहेंगी। नीट यूजी 2026 का संकट एक एक चेतावनी है। यह यह चेतावनी सरकार, परीक्षा एजेंसियों, समाज और अभिभावकों सभी के लिए है। शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा टूटना किसी भी राष्ट्र के लिए गंभीर संकेत है। यदि युवाओं को लगे कि मेहनत से ज्यादा कीमत पैसे और जालसाजी की है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली की हार नहीं होगी, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की हार होगी। अब समय आ गया है कि पेपर लीक को सामान्य प्रशासनिक चूक मानना बंद किया जाए। यह युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। दोषियों को कठोर सजा, परीक्षा प्रणाली में पूर्ण सुधार और छात्रों के हितों की सुरक्षा इन तीनों मोर्चों पर तत्काल काल और ईमानदार कार्रवाई ही इस संकट का सही उत्तर हो सकती है।

कलेक्टर ने चिरमिरी एवं खड़गवां क्षेत्र का किया व्यापक दौराविकास कार्यों, जल संरक्षण और जनसुविधाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने विगत दिवस चिरमिरी एवं खड़गवां क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों का व्यापक दौरा कर विकास कार्यों आधारभूत सुविधाओं तथा जनसुविधाओं की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए दौरे की शुरुआत कलेक्टर द्वारा चिरमिरी स्थित मंगल भवन के निरीक्षण से हुई। यहां उन्होंने भवन में आयोजित होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों की जानकारी लेते हुए उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा की निरीक्षण के दौरान साउंड सिस्टम की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने उसे शीघ्र दुरुस्त कराने के

निर्देश दिए, ताकि आगामी आयोजनों में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें इसके पश्चात कलेक्टर महोदया ने लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, चिरमिरी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेडियम परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए हेलीपैड क्षेत्र में आवश्यक बांस-बल्ली की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही प्रस्तावित राम कथा आयोजन की तैयारियों सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आयोजन के सफल एवं सुरक्षित संचालन हेतु सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह के ऑडिटोरियम का भी अवलोकन किया उन्होंने विद्यालय परिसर में उपलब्ध खाली भूमि का उपयोग जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए करने पर बल देते हुए तालाब निर्माण जल रिचार्ज संरचनाएं एवं वर्षा जल संरक्षण संबंधी कार्यवाही प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण भविष्य की आवश्यकताओं और सतत विकास का महत्वपूर्ण आधार है इसके बाद कलेक्टर महोदया ग्राम पंचायत बोड़ेमुड़ा ग्राम पंचायत पेंड्री एवं ग्राम पंचायत बरदर पहुंचीं जहां उन्होंने महतारी सदनों का निरीक्षण कर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने जिला पंचायत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को अभियान के रूप में लिया जाए तथा कुएं डबरी तालाब एवं अन्य जल संरचनाओं के निर्माण को प्राथमिकता देकर जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता केवल निर्माण कार्य करना नहीं बल्कि गुणवत्ता उपयोगिता एवं दीर्घकालिक जनहित सुनिश्चित करना है उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में समयबद्धता पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित हो सके इस दौरान पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिलह्या पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, एसडीएम लिंगराज सिदार, सीएसपी दीपिका मिंज, नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आंचला सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम की उपस्थिति में विभिन्न स्थानों पर विकास एवं जन सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन मई-जून 2026- जिले में निर्वाचन तैयारियां तेज, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन मई-जून 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु प्रशासनिक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन संबंधी समस्त कृत्यों के निर्वहन के लिए संबंधित जनपद पंचायत क्षेत्रों में रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों की नियुक्ति कर दी गई है निर्वाचन व्यवस्था के तहत जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के लिए सु श्रुति धुर्वे तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है जबकि सु वैशाली सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार जनपद पंचायत भरतपुर क्षेत्र हेतु नीरजकांत तिवारी, तहसीलदार भरतपुर को रिटर्निंग ऑफिसर तथा अजय सिंह राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भरतपुर को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत कुल 1 सरपंच एवं 2 पंच पदों के लिए निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। इसमें ग्राम पंचायत सोनहरी में सरपंच पद हेतु तथा ग्राम पंचायत बेलबहरा एवं चनवारीडांड में पंच पद हेतु निर्वाचन होगा। वहीं जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जुईली एवं नेरूवा में 2 पंच पदों के लिए उप निर्वाचन आयोजित किया जाएगा।

इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित समयावधि के भीतर संबंधित निर्वाचन कार्यालय में अपना नामांकन प्रस्तुत करना होगा जिला प्रशासन ने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं एवं संभावित अभ्यर्थियों से निर्वाचन कार्यक्रम की समयसीमा का पालन करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है प्रशासन द्वारा निष्पक्ष पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

भीषण गर्मी में राहत की पहल, महुआ पारा में दुरुस्त हुए हैंडपंप

जल संकट के बीच प्रशासन सक्रिय, ग्रामीणों को मिलने लगा स्वच्छ पेयजल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत नागपुर अंतर्गत महुआ पारा में बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू किया गया गर्मी की तीव्रता को देखते हुए विभाग ने खराब हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर सुधारने का अभियान तेज कर दिया है। हैंडपंपों के चालू होने से ग्रामीणों को फिर से स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से पानी की समस्या

से परेशान ग्रामीणों ने विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर हैंडपंपों का निरीक्षण किया और तकनीकी सुधार कार्य कर पेयजल व्यवस्था बहाल की। अधिकारियों ने बताया कि जिलेभर में लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी गांव में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण हैंडपंप बंद होने से उन्हें दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा था जिससे काफी परेशानी हो रही थी विभाग द्वारा समय पर की गई मरम्मत से अब गांव में पेयजल की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है प्रशासन की इस पहल को ग्रामीणों ने संवेदनशील और जनहितकारी कदम बताया विभाग द्वारा जिले के अन्य गांवों में भी खराब हैंडपंपों की पहचान कर मरम्मत कार्य लगातार जारी रखा गया है ताकि भीषण गर्मी के दौरान आमजन को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हैंडपंपों में किसी प्रकार की खराबी होने पर तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते सुधार कार्य कर पेयजल आपूर्ति सुचारु रखी जा सके।

भव्य श्रमिक सम्मेलन में गूंजा श्रमिक सशक्तिकरण का संदेश, योजनाओं से जोड़कर सम्मानजनक जीवन देने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आयोजित जिला स्तरीय भव्य श्रमिक सम्मेलन श्रमिक कल्याण सामाजिक सुरक्षा और श्रमिक अधिकारों के प्रति शासन की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया डोमनापारा स्थित गोंडवाना समाज भवन, आरटीओ कैंप के पास आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 600 निर्माण एवं असंगठित श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता एवं सशक्तिकरण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सम्मेलन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने श्रमिक वर्ग को राष्ट्र निर्माण समाज विकास और आर्थिक प्रगति की आधारशिला बताते हुए कहा कि श्रमिकों के श्रम और योगदान के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि शासन श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने एवं उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए निरंतर अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि श्रमिक भाइयों-बहनों को शासन की योजनाओं अधिकारों और सुविधाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा, आर्थिक सहयोग शिक्षा सहायता, पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे श्रम विभाग में अपना पंजीयन कराकर योजनाओं का अधिकतम लाभ लें, क्योंकि श्रमिक वर्ग के सशक्त होने से समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत बनते हैं सम्मेलन के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक वितरित कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया गया। कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी विस्तारपूर्वक दी गई सम्मेलन स्थल पर श्रमिकों में विशेष उत्साह जागरूकता और शासन की योजनाओं से जुड़ने की सकारात्मक भावना देखने को मिली इस अवसर पर श्रमिक हित में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का मोमेंटो भेंट कर सम्मान भी किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस ने 2 सप्ताह में 1021 गुम मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए, कीमत 2.26 करोड़ से अधिक

साइबर तकनीक और बीएमपीटी पोर्टल की मदद से प्रदेशभर में मोबाइल चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में आमजन की संपत्ति की सुरक्षा और गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है बीते दो सप्ताह में 1021 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं जिनकी कुल कीमत लगभग 2 करोड़ 26 लाख रुपए है। मोबाइल मालिकों ने अपने फोन लौटाए जाने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया इन कार्यवाहियों में बीएमपीटी पोर्टल, सिटीजन कॉप एप और साइबर

सेल की तकनीकी जांच का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही अपने मोबाइल

चोरी या गुम होने की शिकायत दर्ज कर सकते हैं

प्रमुख कार्यवाही:

ग्वालियर: साइबर सेल ने बीएमपीटी पोर्टल की मदद से 571 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कीमत 1.41 करोड़ रुपए है। जागरूक नागरिकों को पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

सतना: ऑपरेशन रिंगटोन के तहत 155 मोबाइल फोन बरामद, कीमत लगभग 29.31 लाख रुपए।

गुना: 64 मोबाइल फोन बरामद, कीमत 12.50 लाख रुपए।

जबलपुर: 106 मोबाइल फोन बरामद, कीमत लगभग 18 लाख रुपए।

आगर मालवा: 81 मोबाइल फोन बरामद, कीमत 15 लाख रुपए से अधिक।

बुरहानपुर: चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, 3 मोबाइल, 2 टैबलेट और अन्य उपकरण जब्त।

रेलवे पुलिस: कटनी में गिरोह का भंडाफोड़, 10 मोबाइल जब्त; जबलपुर में 4 मोबाइल और उज्जैन में 18 मोबाइल जब्त।

विदिशा: 6 मोबाइल फोन जब्त कर आरोपी गिरफ्तार।

गांव-गांव पहुंचा संवेदनशील प्रशासन, मेंड्रा शिविर में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

सुशासन तिहार 2026 के तहत जनसमस्या निवारण शिविर में 620 आवेदन प्राप्त, आयुष्मान कार्ड से ई-ऋण पुस्तिका तक मिला त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत विकासखंड खड़गवां के ग्राम पंचायत मेंड्रा में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया संवाद से संपूर्ण समाधान थीम पर आयोजित इस शिविर में छह ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त किया शिविर ने यह संदेश दिया कि अब प्रशासन केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं बल्कि गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है ग्राम पंचायत मेंड्रा, पैनारी धवलपुर, बेलबहरा, नेवरी और कोड़ा से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए अधिकारियों ने गंभीरता और तत्परता के साथ कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया जबकि शेष प्रकरण संबंधित विभागों को सौंपे गए कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह, जनपद सदस्य श्याम बाई मरकाम, एसडीएम विजयेन्द्र सारथी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने की अपील की शिविर में स्वास्थ्य, कृषि,

मनरेगा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, वन, राजस्व, खाद्य, पुलिस, पशु चिकित्सा, आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी के साथ तत्काल सेवाएं भी प्रदान की गईं शिविर में कुल 620 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 10 को राशन कार्ड, 10 किसानों को ई-ऋण पुस्तिका, 2 क्षय रोगियों को फूड बास्केट, 22 हितग्राहियों का ई-केवाईसी और 18 लोगों का आधार अपडेट किया गया एसडीएम विजयेन्द्र सारथी ने कहा कि सभी आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं जनप्रतिनिधियों ने इसे संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन का नया मॉडल बताया ग्रामीणों ने शिविर को सुशासन और जनकल्याण की प्रभावी पहल बताया।

डीजीपी कैलाश मकवाणा के मुख्य आतिथ्य में विशेष सशस्त्र बल के नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह आयोजित

25वीं वाहिनी के नव आरक्षक प्रशिक्षण पूरा कर तैयार, साइबर और आधुनिक पुलिसिंग में दक्षता प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में गुरुवार को 25वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल के नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह धूमधाम से आयोजित हुआ कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान से हुई पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने मुख्य अतिथि के रूप में सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया समारोह में डीजीपी मकवाणा ने मध्यप्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास और आरक्षक पुलिस संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि लगभग 11 महीने के कठिन प्रशिक्षण, अनुशासन और समर्पण के बाद तैयार हुए नव आरक्षक

भविष्य में पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को और मजबूत करेंगे डीजीपी ने नव आरक्षकों को आधुनिक पुलिसिंग साइबर क्राइम कानून व्यवस्था भीड़ नियंत्रण और तकनीकी दक्षता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध और आंतरिक सुरक्षा बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को तकनीकी रूप से सक्षम और शारीरिक रूप से मजबूत होना आवश्यक है डीजीपी ने विशेष सशस्त्र बल और मध्यप्रदेश पुलिस के नक्सल विरोधी अभियानों दस्यु उन्मूलन चुनाव ड्यूटी और अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में साहसिक कार्यों की सराहना की उन्होंने नव आरक्षकों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने, ईमानदारी अनुशासन और संविधान के प्रति निष्ठा के साथ जनसेवा करने की सीख दी समारोह में 25वीं वाहिनी के सेनानी नागेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि नव आरक्षकों का प्रशिक्षण 15 जून 2025 से शुरू हुआ था और इसमें महिला एवं पुरुष नव आरक्षकों को फायरिंग रायट ड्रिल कानून व्यवस्था शारीरिक दक्षता और आधुनिक पुलिसिंग का प्रशिक्षण दिया गया इस बार प्रशिक्षण में पहली बार साइबर क्राइम और सोशल मीडिया अपराधों की जानकारी भी शामिल की गई नव आरक्षकों ने प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्तर की हॉकी और कबड्डी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशिक्षण संस्थान का नाम रोशन किया। समारोह में नव आरक्षकों ने आकर्षक साइलेंट ड्रिल और योग प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया जिससे उनकी अनुशासन तालमेल और शारीरिक व मानसिक क्षमता दिखाई दी अंत में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षक देवेंद्र कुमार गुप्ता (9वीं वाहिनी रीवा) और हर्षित कुशवाह (36वीं वाहिनी बालाघाट) को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए समारोह में अन्य पुलिस अधिकारी प्रशिक्षक और नव आरक्षकों के परिवारजन भी उपस्थित थे।

जमीन सीमांकन के दौरान हमला: पिता-पुत्र से मारपीट, पीड़ित एसपी से न्याय की गुहार लगाने पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी कोतवाली क्षेत्र में जमीन के सीमांकन के दौरान पिता-पुत्र पर हमले का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि राजस्व अमले और अधिकारियों की मौजूदगी में कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया उनका यह भी आरोप है कि पुलिस ने मामले में उचित धाराओं के तहत केस दर्ज नहीं किया, जिसके बाद पीड़ित परिवार गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुंचा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जानकारी के अनुसार, प्रगति बाजार निवासी 52 वर्षीय सोहन बंसल अपनी जमीन के सीमांकन के लिए 13 मई को तोमर हॉस्टल से पहले हैप्पी डेज स्कूल के सामने स्थित भूमि पर पहुंचे थे उनके साथ उनके भतीजे गोरांग बंसल भी मौजूद थे सीमांकन की कार्रवाई पटवारी तहसीलदार और राजस्व अमले की मौजूदगी में चल रही थी इसी दौरान जतिन ठाकुर अपने भाई और अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और जमीन को अपनी बताते हुए सीमांकन रुकवाने का प्रयास करने लगा पीड़ित पक्ष बोला- डंडे से पीटा पीड़ित सोहन बंसल के मुताबिक, आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर जतिन ठाकुर ने डंडे से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में सोहन बंसल के दाहिने पैर पीठ और सीने में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे गोरांग बंसल के साथ भी मारपीट की गई जिससे उनकी कोहनी से खून निकल आया और पैर में चोट लगी मौके पर मौजूद संजीव शर्मा और राहुल शिवहरे ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला पीड़ित ने बताया कि आरोपी जाते समय दोबारा सीमांकन कराने पर जान से मारने की धमकी देकर गए। घटना के बाद डायल-112 की मदद से सोहन बंसल और गोरांग बंसल को कोतवाली लाया गया जहां से उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

रतलाम में 30 मजदूरों से भरा ओवरलोड ऑटो पलटा15 वर्षीय किशोरी की दबने से मौत

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के सैलाना क्षेत्र स्थित सकरावदा में बुधवार सुबह 7:30 बजे एक ओवरलोड ऑटो पलटने से 15 वर्षीय बालिका की दबकर मौत हो गई। हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। ऑटो में क्षमता से अधिक करीब 25 से 30 मजदूर सवार थे। तेज गति और ओवरलोड होने के कारण मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, ऑटो रिक्शा (MP 43 K 2267) बुधवार सुबह ग्राम फूफीरुंडी से मजदूरों को लेकर सकरावदा होते हुए सैलाना जा रहा था। सुबह करीब साढ़े सात बजे ऑटो सकरावदा के इमली चौक के पास, पूर्व सरपंच वागजी खराड़ी के घर के सामने एक मोड़ पर पहुंचा। गति अधिक होने और क्षमता से ज्यादा वजन होने के कारण चालक स्टेयरिंग से अपना

नियंत्रण खो बैठा और ऑटो पलट गया।

ग्रामीणों ने घायलों को निकाला, किशोरी ने तोड़ा दम : हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर दौड़े और ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकाला। हादसे में फूफीरुंडी निवासी 15 वर्षीय कविता (पिता सूरज खराड़ी) की ऑटो के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

3 गंभीर घायल सैलाना अस्पताल रेफर : दुर्घटना में कुल 6 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 3 घायलों को सकरावदा के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय कालीबाई (पति मोहन मईड़ा) और 35 वर्षीय रेखा (पति शंकर खराड़ी) का उपचार सैलाना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है।

दो दिन पहले ही हुई थी चालानी कार्रवाई

सैलाना थाना प्रभारी पिंकी आकाश ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो पर दो दिन पहले ही ओवरलोडिंग को लेकर 15 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की थी। थाना प्रभारी ने कहा, 'चालान कटने के बावजूद चालक ने अनदेखी की और वाहन में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर ले जा रहा था। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है। '

2 मई को भी 50 मजदूरों से भरी बोलेरो गिरी थी खाई में

क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के कारण हादसे लगातार हो रहे हैं। इससे पहले 2 मई को पिपलौदा थाना क्षेत्र के आंबा के पास सुबह करीब 50 मजदूरों से भरी एक बोलेरो रिवर्स लेते समय खाई में गिर गई थी। यह हादसा नवदुर्गा पूनयाखेड़ी रोड फंटे पर यू-टर्न लेने के दौरान हुआ था, जिसमें दो महिलाओं को हल्की चोटें आई थीं। हादसों के बाद प्रशासन एक-दो दिन चालानी कार्रवाई करता है ।

बिजली कटौती से परेशान लोगों ने किया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा (निप्र)। नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम पगढाल के पास बुधवार को ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के सब स्टेशन के सामने चक्काजाम कर दिया। भीषण गर्मी और लगातार बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने नारेबाजी की। इस दौरान मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब ढाई घंटे बाद लिखित आश्वासन देने पर प्रदर्शन समाप्त किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच बिजली विभाग द्वारा नाम मात्र की बिजली आपूर्ति की जा रही है। बार-बार बिजली गुल होने से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। किसानों ने बताया कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण खेती और घरेलू कामकाज दोनों प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन विभाग उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में 44 डिग्री तापमान के बीच बिजली विभाग द्वारा नाम मात्र की बिजली सप्लाई दी जा रही है। बार-बार बिजली गुल होने से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। किसानों का कहना है कि बिजली की अनियमित सप्लाई के कारण खेती और घरेलू कामकाज दोनों प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा।

आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त : सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। मौके पर सिवनी मालवा नायब तहसीलदार वीएस सलामे और शिवपुर थाना प्रभारी केएल रजक पहुंचे। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार से कहा कि लिखित में आश्वासन देने के बाद ही चक्काजाम समाप्त किया जाएगा। लिखित आश्वासन मिलने पर करीब 2:30 घंटे बाद चक्काजाम समाप्त किया गया। ग्रामीण नीलेश धनगर ने बताया कि ग्राम अमलाडा, फरिदपुर, नवलगांव, बॉसनिया, बाबड़िया, पगढाल और रावनपीपल सहित आसपास के कई गांव लंबे समय से बिजली समस्या से जूझ रहे हैं। लगातार शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम तक व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

वेयरहाउस में गेहूं से भरे ट्रैक्टर में लगी आग :10 फीट तक उठीं लपटें

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के देवरी में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान मंगलवार रात 10 बजे आस्तिक वेयरहाउस में लाइन में लगे ट्रैक्टर में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते कुछ मिनट में टैक्टर जलकर राख हो गया। जिससे खरीदी केंद्र पर मौजूद किसानों और कर्मचारियों के बीच भगदड़ मच गई। जानकारी के अनुसार, बिंजा निवासी संजू साहू का ट्रैक्टर-ट्रॉली अन्य वाहनों के साथ खरीदी केंद्र पर लाइन में खड़ा था। इसी दौरान ट्रैक्टर से अचानक चिंगारी निकली और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें करीब 10 फीट ऊंचाई तक उठ रही थीं।

आग फैलने की आशंका को देखते हुए चालक तुरंत ट्रैक्टर-ट्रॉली को वेयरहाउस परिसर से बाहर ले गया : जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में ट्रैक्टर जल गया, जबकि गेहूं को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। घटना के बाद ट्रैक्टर मालिक और किसानों ने खरीदी केंद्र की संचालन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आग लगने के कारणों की जांच की मांग की है।

खरगोन में सिलेंडर से भरे ट्रक और कार की भिड़ंत कार सवार की मौत, एक घायल, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त अंधे मोड़ की वजह से हादसा

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में इंदौर रोड पर पानवा के पास मंगलवार देर रात गैस सिलेंडर से भरे एक ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। टकराव इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और ट्रक का डीजल टैंक टूटकर अलग हो गया, जिससे सड़क पर डीजल फैल गया। स्थानीय लोगों ने घायल व्यक्ति को कसरावद अस्पताल पहुंचाया।

अंधे मोड़ की वजह से हादसा : सूचना मिलने पर खलटांका पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। हादसे के बाद खरगोन-इंदौर मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बाधित हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर अंधा मोड़ होने के कारण वाहनों का संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मोड़ पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

एमपी बोर्ड ने हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 के परीक्षा कार्यक्रम में किया संशोधन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, के सचिव श्री बुदेश कुमार वैद्य द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह संशोधन विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी पत्र के अनुसार 14 मई 2026 एवं 21 मई 2026 को आयोजित होने वाली कुछ विषयों की परीक्षाओं की तिथियों में परिवर्तन किया गया है।

नेशनल हाईवे–44 पर कंटेनर पुलिया से टकराया

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। बीना, एजेंसी। खुरई। नेशनल हाईवे-44 पर मालथौन के पास नकटा पुलिया पर एक तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग से टकरा गया। टक्कर के बाद कंटेनर हवा में लटक गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। कंटेनर क्रमांक यूके 08 सीबी 6696 का चालक सत्य प्रकाश आंध्र प्रदेश के चित्तूर से दिल्ली जा रहा था। उसने बताया कि फोरलेन सड़क होने के बावजूद नकटा पुलिया के पास रास्ता अचानक संकरा हो जाता है। इसी तकनीकी खामी के कारण वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कंटेनर पुलिया से टकरा गया। हादसे के समय कंटेनर में चालक

सहित कुल तीन लोग सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा पुलिया पर लटक गया। हालांकि, वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। स्थानीय नागरिक आर एस सिंह के अनुसार, पुलिया की चौड़ाई चार फीट कम है, जिसके कारण यहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

समर कैंपों से विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को मिल रहा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विशेष पहल की जा रही है। खासकर गर्मियों के दिनों में समर कैंपों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अभिनव विकास सतत जारी है शासकीय सांदीपनि विद्यालय बरईपुरा में आयोजित समर कैंप विद्यार्थियों के लिए सीखने, सृजन करने और अपनी प्रतिभाओं को निखारने का एक प्रेरणादायी मंच बन गया है। समर कैंप के अंतर्गत छात्र-छात्राओं में अत्यंत उत्साह, उमंग एवं रचनात्मक ऊर्जा देखने को मिल रही है। विद्यालय परिसर में बच्चों की सक्रिय सहभागिता से पूरे वातावरण में आनंद और उत्सव का माहौल बना हुआ है। कैंप में विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता एवं प्रतिभा के अनुरूप विभिन्न रचनात्मक एवं तकनीकी गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विद्यार्थियों को क्लासिकल डांस, मॉडर्न आर्ट पेंटिंग, वेब पेज डिजाइनिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित प्रारंभिक जानकारी तथा आधुनिक कला की विशेष शैली 'लिपन आर्ट' का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को व्यावहारिक तरीके से नई-नई तकनीकों एवं कलाओं से परिचित कराया जा रहा है, जिससे वे सीखने के साथ-साथ आनंद का अनुभव भी कर रहे हैं। समर कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, तकनीकी समझ, कलात्मक अभिरुचि एवं आत्मविश्वास में सकारात्मक वृद्धि हो रही है। विशेष रूप से एआई एवं वेब डिजाइनिंग जैसी गतिविधियां बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़ रही हैं, वहीं कला एवं नृत्य संबंधी प्रशिक्षण उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को नई दिशा दे रहा है।

विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक, प्रेरणादायी एवं सीखने योग्य वातावरण तैयार किया गया है, जिसके कारण छात्र-छात्राएं पूरे उत्साह और लगन के साथ प्रत्येक गतिविधि में भाग ले रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना तथा उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। अभिभावकों ने भी विद्यालय की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं भविष्य निर्माण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

जिले में मकान सूचीकरण कार्य में पठारी चार्ज अव्वल

अर्बन क्षेत्र में कुरवाई नगर पंचायत प्रथम, लटेरी नगर पंचायत दूसरे स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जिले में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मकान सूचीकरण अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न चार्ज क्षेत्रों द्वारा घर-घर पहुंचकर सूचीकरण कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रहा है।

इसी क्रम में पठारी चार्ज ने जिले में सर्वप्रथम मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण कर उपलब्धि हासिल की है।

पठारी चार्ज की टीम द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनियोजित ढंग से सर्वे एवं सूचीकरण कार्य किया गया। अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों के समन्वय से प्रत्येक मकान का विवरण संकलित करते हुए कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस उपलब्धि पर संबंधित अधिकारियों ने टीम के कार्य की सराहना की है।

वहीं अर्बन चार्ज के अंतर्गत नगरीय निकायों में भी सूचीकरण कार्य में बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला। कुरवाई नगर पंचायत ने सबसे पहले मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद लटेरी नगर पंचायत द्वारा सूचीकरण कार्य पूर्ण करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया गया।

प्रशासन द्वारा बताया गया कि मकान सूचीकरण कार्य शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनगणना संबंधी तैयारियों तथा नागरिक सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। सूचीकरण से क्षेत्रवार आवासीय जानकारी अद्यतन होगी, जिससे भविष्य की विकास योजनाओं के निर्माण में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन ने सूचीकरण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ।

टीमों को बधाई देते हुए अन्य क्षेत्रों को भी समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं

महिला एवं बाल विकास विभाग की निविदा प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण बर्तन एवं टी.एल.एम. सामग्री क्रय हेतु जारी

निविदा को लेकर विभाग ने स्थिति की स्पष्ट

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बर्तन एवं टी.एल.एम. (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) सामग्री क्रय संबंधी जारी निविदा को लेकर सोशल मीडिया, समाचार पत्रों, फोन कॉल तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त हो रही आपत्तियों एवं शंकाओं पर विभाग ने विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया है कि निविदा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं नियमानुसार संचालित की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया कि निविदा में 02 करोड़ रुपये वार्षिक टर्नओवर की शर्त केवल ओ.ई.एम. अथवा टिफिन सामग्री के निर्माता के लिए निर्धारित की गई है। जबकि सामान्य बिडर के लिए केवल 40 लाख रुपये वार्षिक टर्नओवर की पात्रता तय की गई है।

विभाग ने यह भी जानकारी दी कि संबंधित निविदा की अनुमानित राशि लगभग 79 लाख रुपये है तथा निविदा प्रक्रिया जेम (त्र्द्गरू) पोर्टल के निर्धारित नियमों एवं सीमा के अंतर्गत जारी की गई है। इसके अतिरिक्त निविदा को 'लिमिटेड टेंडर ' बताए जाने संबंधी आपत्तियों पर भी विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह टेंडर लिमिटेड न होकर सामान्य निविदा है, जिसमें पात्र एजेंसियां नियमानुसार भाग ले सकती हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन एवं संबंधित एजेंसियों से अपील की है कि वे भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें तथा केवल विभागीय एवं अधिकृत स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें।

महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में तकनीकी क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के शासकीय महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में भारतीय मानक ब्यूरो अंतर्गत संचालित स्टैंडर्ड क्लब द्वारा तकनीकी क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न तकनीकी विषयों, गुणवत्ता मानकों एवं सामान्य तकनीकी ज्ञान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा एवं बौद्धिक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में तकनीकी मानकों के प्रति जागरूकता विकसित करना, गुणवत्ता संस्कृति को बढ़ावा देना तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना था। प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग एवं मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट विभाग की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

21 से 23 अगस्त 2026 तक सर्वोच्च न्यायालय में विशेष लोक अदालत होगी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सर्वोच्च न्यायालय में 21 से 23 अगस्त 2026 तक विशेष लोक अदालत (समाधान समारोह) आयोजित की जा रही है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विभिन्न प्रकृति के राजीनामा योग्य मामलों में सुलहवार्ता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। पक्षकारों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये चिन्हित प्रकरणों की जिले वार सूची तैयार की गई है, जिसमें सीहोर जिले के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पक्षकारों के मध्य जिला स्तर पर सुलहवार्ता समन्वय, एवं दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन हेतु नोडल एजेंसी बनाया गया है। सुलहवार्ता सफल होने पर 21 से 23 अगस्त 2026 तक सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित विशेष लोक अदालत समाधान समारोह में नियमानुसार प्रकरण का अंतिम रूप से निराकरण किया जायेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय को चिन्हित पारिवारिक मामलों को हेण्डल करने के लिए सीहोर एवं भोपाल जिले का समन्वयक नामांकित किया गया है। इसके साथ ही विशेष लोक अदालत के लिए जिला समन्वयक के रूप में हेमंत जोशी विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) को नियुक्त किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नसिंह द्वारा आव्हान किया गया है कि, सभी पक्षकार अधिक से अधिक संख्या में इस विशेष लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कर लाभ उठाये।

घायल युवकों की जेब से 2000 गायब: एंबुलेंस स्टाफ पर लगा आरोप जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में सड़क हादसे में घायल हुए दो युवकों ने एंबुलेंस स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अर्द्धमूर्छित हालत में उनकी जेब से ?2000 निकाल लिए गए। यह घटना तब हुई जब उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, घायल मोनू सोनी और सुनील छतरपुर से जटाशंकर धाम दर्शन के लिए बाइक से निकले थे। रास्ते में उनका सड़क हादसा हो गया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों काफी

देर तक सड़क किनारे पड़े रहे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें देखा और तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इलाज के दौरान जब घायलोको होश आया, तो उन्होंने अपने पास रखे पैसों की जांच की।

उनका आरोप है कि जेब में रखे करीब ?2000 गायब थे। मोनू सोनी और सुनील का कहना है कि वे हादसे के समय ठीक से बोलने की स्थिति में नहीं थे, जिसका फायदा उठाकर एंबुलेंस कर्मचारियों ने उनकी जेब की तलाशी ली और पैसे निकाल लिए। घायलों ने कहा कि वे इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस से करेंगे, ताकि घटना की जांच हो सके और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

नीट पेपर लीक में छात्र गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। NEET परीक्षा पेपर लीक मामले में राजस्थान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाशिक निवासी डॉ. शुभम खैरनार को गिरफ्तार में लिया है। उस पर हाल ही में आयोजित NEET परीक्षा में कथित धांधली में शामिल होने का आरोप है जांच एजेंसियों को इस मामले के तार सीहोर से भी जुड़े होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि शुभम खैरनार पहले सीहोर में छात्र रह चुका है। पुलिस अब उसके संपर्कों और गतिविधियों की जानकारी जुटाने में लगी है।

लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने 10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

रोम, एजेंसी। इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक डोमेस्टिक डबल पूरा किया। इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया। लाजियो के खिलाफ फाइनल में मिली धमाकेदार जीत के बाद इंटर मिलान के मैनेजर क्रिस्टियन चिवु ने इंटरव्यू में अपनी भावनाएं शेयर कीं। उन्होंने कहा, इंटर ने इस सीजन में दो ट्रॉफी जीती हैं, और हम इसके हकदार थे क्योंकि हमारा कैंपेन बहुत अच्छा रहा। हमने इन वर्षों में जो भी कुछ हासिल किया है, उसके लिए हम बेहद खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें इन जबरदस्त फैंस और क्लब के लिए भी खुशी है, जिन्होंने हमेशा हमारा साथ दिया है। हम इस सीजन में जो कुछ भी हासिल करेंगे, उसका आनंद लेंगे। लीग और कोप्पा इटालिया जीतना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे आप हल्के में ले सकते हैं; दो ट्रॉफी उठाना कभी आसान नहीं होता।

लौटारो मार्टिनेज ने कहा, हमारे लिए यह एक बहुत ही जरूरी और सार्थक जीत है, पिछले साल के बाद वापसी करना आसान नहीं था। हम खेल, तेजी, परफॉर्मेंस और नतीजों के मामले में सच में एक महत्वपूर्ण सीजन बनाने में कामयाब रहे। मैं खुश हूं क्योंकि हम साल को दो ट्रॉफी के साथ खत्म कर रहे हैं; यह हमारे लिए सच में बहुत जरूरी रहा है। हाल के सालों में हमने जो कुछ भी किया है, उसके लिए इंटर मिलान के बारे में हमेशा बहुत बातें होती हैं, लेकिन हमें खिताब जीतने के लिए इसी रास्ते पर चलते रहना होगा क्योंकि हम यही चाहते हैं- इस सीजन में हमने दो जीते हैं और हम सच में बहुत खुश हैं।

इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हराया मेसी ने किए दो गोल

सिनसिनाटी, एजेंसी । कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल और माटेओ सिल्वेटी और जर्मन बर्टेराम के गोल की मदद से इंटर मियामी सीएफ ने टीक्यूल स्टेडियम में एफसी सिनसिनाटी के खिलाफ 5-3 की रोमांचक वापसी करते हुए तीन और कीमती पॉइंट हासिल किए। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती 9 मुकाबलों में सबसे ज्यादा पॉइंट (22) के साथ एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मियामी ने मैच के 24वें मिनट में बढ़त बनाई, जब मेसी ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए बॉक्स के अंदर से गोल किया और इस रेगुलर सीजन में अपने गोलों की संख्या 10 कर ली। केविन डेन्की ने 44वें मिनट में हाफ टाइम से ठीक पहले मेजबान टीम के लिए पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत पावेल बुचा ने 49वें मिनट में सिनसिनाटी को बढ़त दिलाने के साथ की। हालांकि, 55वें मिनट में मेसी ने स्कोर बराबर कर दिया। मेसी ने डी पॉल के पास को गोल पोस्ट में पहुंचाया। यह गोल इस रेगुलर सीजन में मेसी का 11वां गोल था, जबकि इस लीग में यह डी पॉल का छठा असिस्ट रहा।

एवांडर ने 64वें मिनट में गोल करके सिनसिनाटी को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद मियामी की अटैकिंग यूनिट ने बचे मिनटों में जबरदस्त खेल दिखाया और मैच का रुख पलट दिया। दूसरे हाफ में सब्सटीट्यूट माटेओ सिल्वेटी ने 79वें मिनट में मैच को 3-3 से बराबर कर दिया। इस गोल से सिल्वेटी के इस लीग कैंपेन में तीन गोल हो गए जबकि यह मेसी का पांचवां असिस्ट गोल रहा। 84वें मिनट में बर्टेराम ने इंटर मियामी की बढ़त को 4-0 कर दिया। फ्री किक के बाद बॉक्स में लूज बॉल का फायदा उठाकर बर्टेराम ने इस सीजन का अपना चौथा गोल किया। मैच के 89वें मिनट में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो गेंद को पकड़ने के प्रयास में अपना ही गोल कर बैठे। इस गोल के साथ ही इंटर मियामी की 5-3 से जीत सुनिश्चित हो गई।

ला लीगा: डेपोर्टिवो अलावेस ने एफसी बार्सिलोना को 1-0 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। ला लीगा का खिताब अपने नाम करने वाली एफसी बार्सिलोना को डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ टूर्नामेंट में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। रला लीगा का खिताब जीतने का जश्न मनाने का असर इस मुकाबले में बार्सिलोना के प्रदर्शन में साफतौर पर नजर आया। टीम मैच में संघर्ष करती हुई नजर आई। मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के आखिरी प्ले में इब्राहिम डायबेट ने किया। अलावेस के स्ट्राइकर ने एरिया के अंदर लेऑफ का फायदा उठाते हुए गोलकीपर स्जेसनी को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही अलावेस अब सबसे निचले स्थान पर मौजूद तीन टीमों की लिस्ट से ऊपर उठ गई है। रिलेगेशन जोन से बाहर निकलने के लिए प्वाइंट्स जुटाने की कोशिश में लगी मेजबान टीम धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। गोलकीपर स्जेसनी को लगातार बचाव करने पड़े, लेकिन पहले हाफ की आखिरी किक को वो गोल पोस्ट के अंदर जाने से नहीं रोक सके।

कॉर्नर के बाद इब्राहिम डायबेट ने मार्क बर्नाल को पछाड़ा और स्टार गोलकीपर को छकाते हुए एक जबरदस्त वॉली लगाकर गोल दागा। डायबेट दूसरे हाफ की शुरुआत में लगभग दूसरा गोल करने ही वाले थे, लेकिन स्जेसनी ने शानदार रिएक्ट करके आइवोरियन के हेडर को रोक दिया। दूसरे हाफ में घरेलू टीम का प्रदर्शन थोड़ा फीका नजर आया और टीम अपनी बढ़त को बनाए रखने पर ज्यादा जोर देती हुई दिखाई दी। मैच के अंतिम पलों में डेपोर्टिवो अलावेस ने अपने पेनाल्टी एरिया के आसपास बहुत गहरी डिफेंस लाइन बनाई और एफसी बार्सिलोना की पासिंग लय को बिगाड़ने की पूरी कोशिश की। मेजबान टीम ने समय निकालने और खेल की गति कम करने पर भी ध्यान दिया।

थाईलैंड ओपन: सिंधु, श्रीकांत जीते, आयुष बाहर

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड ओपन में बुधवार का दिन भारत के लिए मिला-जुला रहा। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने जहां दूसरे राउंड में आसानी से अपनी जगह बनाई, वहीं उभरते हुए स्टार आयुष शेट्टी को पहले राउंड से ही बाहर होना पड़ा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु ने चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को महज 33 मिनट में 21-9, 21-12 से हरा दिया। छठी सीड सिंधु ने शुरू से ही रैलियों पर नियंत्रण रखा और तेज प्लेसमेंट के साथ आक्रामक कोर्ट कवरेज को मिलाकर सीजन की अपनी सबसे तेज जीत में से एक हासिल की। पीवी सिंधु का अगला मुकाबला डेनमार्क की अमाली शुल्ज के साथ होगा। दोनों पहली बार आमने-सामने होंगी।

श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल के रीमैच में सिंगापुर के लोह कीन यू को 21-14, 21-15 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। 2013 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी पूरे समय आत्मविश्वास में दिखे और दूसरे गेम में थोड़ी देर की चुनौती के बावजूद आठवें सीड वाले खिलाड़ी को खेल पर हावी नहीं होने दिया।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे।

आयुष शेट्टी जापानी छठे सीड कोडाई नाराओका के खिलाफ मुकाबले को निर्णायक तक ले जाने के बावजूद मोमेंटम बनाए नहीं रख सके। 2-1 के अच्छे हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में उतरते हुए, भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और मैच एक-एक गेम से बराबर कर दिया। लेकिन तीसरा गेम पूरी तरह से एकतरफा हो गया। नाराओका ने अपने खास रिट्रीवल और लगातार तेजी से नियंत्रण मजबूत किया, और 59 मिनट में 21-13, 17-21, 21-4 से शानदार जीत हासिल की।

उन्नति हुड्डा ने घरेलू पसंदीदा पोर्नपावी चोचुवोंग को 11-21, 21-17, 21-16 से हराकर चौंका दिया।

19 साल के अनमोल खरब मौजूदा चैंपियन चेन यू फेई को हराने से चूक गए। पहला गेम जीतने और डिसाइडर में 11-2 की बढ़त बनाने के बाद, भारतीय खिलाड़ी चीनी स्टार की वापसी को रोक नहीं सके क्योंकि चेन ने इंटरवल के बाद तेजी दिखाते हुए 19-21, 21-13, 21-18 से कड़ी टक्कर वाली जीत हासिल की।

दूसरी तरफ, थारुन मन्नेपल्ली को जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन, तन्वी शर्मा, देविका सिहाग, मालविका बंसोड़, और इशारानी बरुआ का बुधवार को एकल मुकाबला होना है, जबकि तीन भारतीय जोड़ियां मिश्रित डबल्स में खेलेंगी।

आरसीबी बनाम केकेआर: आईपीएल में 9वें शतक के साथ विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

रायपुर, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। आरसीबी की इस जीत के नायक विराट कोहली रहे, जिन्होंने 105 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली ने अपनी इस शतकीय पारी के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों की अपनी पारी में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 11 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 92 रनों की अहम साझेदारी निभाई। आईपीएल में यह कोहली का 9वां शतक है। विराट ने केकेआर के खिलाफ यह आईपीएल में दूसरा शतक लगाया। कोहली ने इस लीग में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में जोस बटलर की बराबरी कर ली है। बटलर ने केकेआर और आरसीबी के खिलाफ दो-दो शतक लगाए हैं। आईपीएल में रनों का पीछा करते हुए विराट कोहली संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। चेज करते हुए विराट ने यह तीसरा शतक लगाया। कोहली के अलावा यह कारनामा सिर्फ जोस बटलर ही कर सके हैं। विराट टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कोहली के बल्ले से टी20 क्रिकेट में यह 10वां शतक निकला। विराट आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

विराट कोहली ने अपनी इस पारी में 14 हजार टी20 रन भी पूरे किए। कोहली सबसे कम पारियों में 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने यह मुकाम 409वीं पारी में हासिल किया।

लियाम डॉसन ने व्हाइट-बॉल क्रिकेट को अलविदा कहा, जानिए क्या थी वजह?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लिश ऑलराउंडर लियाम डॉसन ने अपने शानदार फर्स्ट-क्लास करियर को अलविदा कह दिया है। हैम्पशायर और इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने बुधवार को रेड-बॉल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, ताकि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ा सकें। 36 वर्षीय डॉसन हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के लिए टी20 ब्लास्ट और वन-डे कप में खेलना जारी रखेंगे। बुधवार को हैम्पशायर की तरफ से जारी एक बयान में डॉसन ने कहा, मैंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह निर्णय मैंने हल्के में नहीं लिया है, लेकिन मुझे लगता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपने करियर को और लंबा करने के लिए यह सही समय है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने हैम्पशायर के लिए 200 से ज्यादा मैच खेले हैं और इन वर्षों में कई खिलाड़ियों के साथ मेरी बहुत अच्छी यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, मैं हैम्पशायर के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने और हमारी अब तक की सफलताओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। उन सभी फैंस और सदस्यों का, जो इन वर्षों में हमारा हौसला बढ़ाने के लिए मैदान पर आए, मैं उनके समर्थन के लिए जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। हैम्पशायर हमेशा मेरा घर रहेगा। मैं बहुत जल्द यूटिलिटा बाउल में आप सभी के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

लियाम डॉसन ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 218 मैच खेले हैं, जिसमें 34.48 की औसत के साथ 10,828 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 18 शतक और 56 अर्धशतक निकले। फर्स्ट क्लास करियर में लियाम 171 रन की पारी खेल चुके हैं, जो उन्होंने साल 2022 में कैंटरबरी में केंट के खिलाफ बनाए थे। इस सदी में हैम्पशायर के खिलाड़ियों में, सिर्फ रॉबिन स्मिथ, जिमी एडम्स और जेम्स विंस ने ही डॉसन से ज्यादा फर्स्ट-क्लास रन बनाए हैं। बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते उन्हें इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट मैच खेलने का मौका भी मिला, जिसमें भारत के खिलाफ डेब्यू मैच में नाबाद 66 रनों की पारी भी शामिल है। डॉसन ने 2023 और 2024 के काउंटी चैंपियनशिप सीजन के दौरान 1,796 रन बनाए थे, जिसमें शतक जड़े। इसके अलावा, उन्होंने 103 विकेट भी लिए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले मुक्केबाज मनोज कुमार ने बीएफआई के नए नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके मुक्केबाज मनोज कुमार ने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के नए एथलीट मूल्यांकन नियम की पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। इस नए सिस्टम के तहत 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2026 एशियन गेम्स के लिए मुक्केबाजों का चयन होना है। बॉक्सर मूल्यांकन के बारे में फेडरेशन के नए नोटिफिकेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज ने मॉनिटरिंग प्रोसेस से पुराने खिलाड़ियों, अर्जुन अवॉर्डी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी और ओलंपियन के न होने पर सवाल उठाए। मनोज कुमार ने एक्स पर लिखा, पूरी चयन प्रक्रिया सिर्फ हेड कोच, जज और फेडरेशन तक ही सीमित है। पुराने अर्जुन अवॉर्डी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी, ओलंपियन और सीनियर खिलाड़ियों को ऑब्जर्वर या चयन मॉनिटर के तौर पर क्यों शामिल नहीं किया गया?

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह और कॉमनवेल्थ गेम्स स्वर्ण पदक विजेता अखिल कुमार जैसे अनुभवी नामों की मौजूदगी से यह प्रक्रिया और बेहतर हो सकती थी।

थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु, सात्विक-चिराग ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

बैंकॉक, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और थॉमस कप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां अपनी-अपनी दूसरी जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने डेनमार्क की शटलर अमाली शुल्ज को सिर्फ 28 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। इस टूर्नामेंट में सिंधु की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने पहले राउंड के मैच में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 21-9, 21-12 से हराया था। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में जापानी खिलाड़ी पर 15-13 की बढ़त बनाई हुई है।

दूसरी ओर, सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल को सीधे गेम में 21-12 और 21-19 से हराया। खास बात यह है कि सात्विक और चिराग ड्रॉ में टॉप सीड वाले अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में पिछली बार (2019, 2024) जीत हासिल की है। अब वे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए छठी सीड वाली जापानी जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से भिड़ेंगे। थॉमस कप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद टूर्नामेंट में शिरकत करने उतरी सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियनस्याह और बगास मौलाना के खिलाफ 21-19, 21-23, 21-10 से जीत दर्ज की थी। वहीं, ओपनिंग राउंड में, श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवें सीड लोह कीन यू को सीधे गेम में 21-14, 21-15 से हराया था। थॉमस कप में अपनी चोट से वापसी कर रहे लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 43 मिनट में 21-16, 21-17 से मात देते हुए टूर्नामेंट का आगाज किया है।

देविका ने शुरुआती राउंड में जापान की एन. निदाइरा को हराया था, जबकि विश्व की 50वें नंबर की खिलाड़ी बंसोड़ झांग वेन यू (13-21, 26-24, 21-13) के खिलाफ एक उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में बाजी मारने में सफल रही थीं। हालांकि, विश्व के 48वें नंबर के खिलाड़ी अनमोल खार्ब का सफर बुधवार को पहले राउंड में ही खत्म हो गया, जब उन्हें वर्ल्ड नंबर 4 चेन यू फेई के खिलाफ एक घंटे दस मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-19, 13-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भोरमदेव मंदिर अद्वितीय शिल्पकला और आस्था का जीवंत काव्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) जिले में मैकल पर्वत श्रृंखला की गोद में स्थित, लगभग 1000 वर्ष पुराना भोरमदेव मंदिर अपनी बेजोड़ शिल्पकला के कारण छत्तीसगढ़ का खजुराहो के रूप में प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख भोरमदेव मंदिर के बिना अधूरा है। कबीरधाम जिले की मैकल पर्वतमालाओं की गोद में स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला का एक बेजोड़ नमूना भी है। अपनी विलक्षण नक्काशी और सौंदर्य के कारण इसे छत्तीसगढ़ का खजुराहो के नाम से ख्याति प्राप्त है।

ऐतिहासिक एवं वास्तुकला की भव्यता: इस मंदिर का निर्माण 7वीं से 11वीं शताब्दी के मध्य फणि नागवंशी राजाओं द्वारा कराया गया था। यह मंदिर नागर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके तीन मुख्य भाग, गर्भगृह, अंतराल और मंडप, तत्कालीन शिल्प कौशल की पराकाष्ठा को दर्शाते हैं। मंदिर की बाहरी दीवारों पर देवी-देवताओं, नृत्यरत अप्सराओं, नर्तकियों और तत्कालीन लोक जीवन की सूक्ष्म नक्काशी की गई है। पत्थरों पर उकेरी गई ये जीवंत प्रतिमाएं मानवीय भावों और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम पेश करती हैं। पत्थरों को अत्यंत कलात्मक ढंग से तराशकर निर्मित यह मंदिर भारतीय स्थापत्य कला की जीवंत धरोहर प्रतीत होता है। मंदिर की दीवारों और बाहरी भागों पर देवी-देवताओं, अप्सराओं, गंधर्वो, नर्तकियों तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रतीकों की सूक्ष्म और जीवंत नक्काशी की गई है। इन मूर्तियों में भाव-भंगिमाओं की स्वाभाविकता, सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

सांस्कृतिक विशिष्टता: भोरमदेव की शिल्पकला में मध्यप्रदेश के खजुराहो और ओडिशा के कोणार्क मंदिर की स्पष्ट झलक मिलती है। हालांकि, स्थानीय जनजातीय संस्कृति और छत्तीसगढ़ी लोक जीवन का प्रभाव इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। मंदिर की दीवारें तत्कालीन समाज के संगीत, नृत्य, वेशभूषा और संस्कृति का दर्पण हैं। मंदिर की दीवारों पर अंकित शिल्पाकृतियां केवल सौंदर्य प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं, यही कारण है कि भोरमदेव मंदिर इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, कला प्रेमियों और शोधकर्ताओं के लिए अध्ययन और अनुसंधान का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

भोरमदेव कॉरिडोर विकास का नया अध्याय: केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए 146 करोड़ रूपए की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर परियोजना शुरू की गई है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास करना है। मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, पार्किंग, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देना। इस कॉरिडोर से न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

आगंतुकों के लिए सुविधाएं एवं कनेक्टिविटी: ठहरने की व्यवस्था पर्यटकों के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का बैगा एथनिक रिसॉर्ट (सरोधा दादर) एक बेहतरीन विकल्प है। इसके अतिरिक्त कवर्धा में विश्राम गृह और निजी होटल उपलब्ध हैं।

मिट्टी से गढ़ी सफलता की नई इबारत

बिहान, माटी कला बोर्ड और सरकारी योजनाओं के संगम से बदली ग्रामीण महिला की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कहते हैं कि यदि हुनर को सही मंच और सरकारी योजनाओं का साथ मिल जाए, तो सफलता की कहानी खुद-ब-खुद लिखी जाती है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड के ग्राम बासनपाली की मालती कुंभकार ने इसे सच कर दिखाया है। मिट्टी की पारंपरिक कला को आधुनिकता से जोड़कर वे आज न केवल एक आत्मनिर्भर उद्यमी हैं, बल्कि प्रदेशभर में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनकर उभरी हैं।

पारंपरिक चाक से आधुनिक तकनीक तक का सफर: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर आयोजित सुशासन तिहार के दौरान मालती ने अपनी संघर्षपूर्ण कहानी साझा की। पहले वे पुराने लकड़ी के चाक से दीये और हांडी बनाती थीं। सीमित संसाधनों के कारण न तो उत्पादन बढ़ पा रहा था और न ही आर्थिक स्थिति सुधर रही थी। मालती ने अपने एकता महिला स्व-सहायता समूह को बिहान कार्यक्रम से जोड़ा। माटी कला बोर्ड और हस्तशिल्प बोर्ड के सहयोग से उन्हें इलेक्ट्रॉनिक चाक और आधुनिक प्रशिक्षण मिला, जिसने उनके काम की गति और गुणवत्ता दोनों बदल दी।

उत्पादों में विविधता और बाजार तक पहुंच: अब मालती केवल पारंपरिक बर्तन ही नहीं, बल्कि बाजार की मांग के अनुरूप आधुनिक मिट्टी के उत्पाद तैयार कर रही हैं।

ग्रामीण सचिवालयों के माध्यम से गांव-गांव पहुंच रहा त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सचिवालयों के माध्यम से विशेष समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भारती चंद्राकर के मार्गदर्शन में संचालित अभियान के दौरान जिलेभर से मांग एवं शिकायतों से संबंधित कुल 394 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 217 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। इसके अतिरिक्त 39 शिकायतों पर आवश्यक कार्यवाही भी की गई। शेष लंबित आवेदनों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण सचिवालयों में प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से राशन कार्ड निर्माण एवं नाम जोड़ने, व्यक्तिगत शौचालय, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नवीन जॉब कार्ड, गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास, पेयजल सुविधा, बोर खनन तथा विभिन्न प्रमाण पत्रों से संबंधित मांगें शामिल रहीं।

विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा में सर्वाधिक 42 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि ग्राम पंचायत बिटाल में 20 आवेदन दर्ज किए गए। यहां व्यक्तिगत शौचालय, राशन कार्ड, गैस कनेक्शन एवं पेंशन संबंधी मांगें प्रमुख रूप से सामने आई।

रेत और चूनापत्थर से भरे 3 हाईवा जब्त

एक लाख से अधिक जुर्माना वसूला जाएगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बेमेतरा जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। विशेष जांच अभियान के दौरान रेत एवं चूनापत्थर से भरे 03 हाईवा वाहनों को जब्त किया गया। इनमें एक वाहन रेत से भरा था, जबकि दो हाईवा में चूनापत्थर का अवैध परिवहन किया जा रहा था। तीनों मामलों में कुल 1 लाख 500 रुपये की अर्थदण्ड राशि वसूली की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज शाखा की टीम ने 12 मई को मारो और आसपास के क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर वाहनों को तत्काल जप्त कर पुलिस चौकी मारो में खड़ा कराया गया। संबंधित वाहन संचालकों के खिलाफ अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ खान और खनिज अधिनियम, 1957 की धारा के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि खनिज संपदा के संरक्षण और शासन के राजस्व की सुरक्षा के लिए आगे भी लगातार जांच अभियान और कार्रवाई जारी रहेगी।

सुशासन तिहार शिविरों में ग्रामीणों को मिल रहा त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार बलरामपुर जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर के पाढ़ी तथा विकासखंड राजपुर के गोपालपुर में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन प्राप्त किए गए। पाढ़ी शिविर में सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि शासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित कर रहा है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा राशन कार्ड, किसान किताब एवं अन्य हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। पाढ़ी शिविर में 221 तथा गोपालपुर शिविर में 240 आवेदन प्राप्त हुए।गोपालपुर में हितग्राहियों को आवास की चाबी, मछली पकड़ने के जाल, मूंग बीज एवं राशन कार्ड वितरित किए गए।

राज्य शासन ने कोटा-अचानकमार-केंवची मार्ग के लिए निविदा को दी मंजूरी, जल्द शुरू होगा काम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने कोटा-अचानकमार-केंवची मार्ग के लिए 32 करोड़ 34 लाख रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। इस राशि से 57.60 किलोमीटर सड़क का मजबूतीकरण और नवीनीकरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के पेंड्रा संभाग के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए मापदंडों के अनुरूप सड़क का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा है।

लोक निर्माण विभाग ने कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्य का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्य किसी अन्य को सब-लेट (Sub-let) नहीं किया जाएगा तथा कार्य संपादन के लिए पावर-ऑफ-अटॉर्नी मान्य नहीं होगी।

'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया ईंधन संरक्षण और संसाधनों के संयमित उपयोग का आह्वान'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर किए गए आह्वान का समर्थन करते हुए कहा है कि वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में पेट्रोल-डीजल जैसे मूल्यवान संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इसी भावना से प्रेरित होकर राज्य शासन द्वारा शासकीय स्तर पर ईंधन की खपत कम करने और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। उन्होंने कहा की कि उनके आधिकारिक भ्रमणों के दौरान अब केवल अत्यावश्यक वाहनों को ही कारकेड में शामिल किया जाएगा। साथ ही मंत्रीगणों तथा विभिन्न निगम-मंडलों के पदाधिकारियों से भी वाहनों एवं अन्य सरकारी संसाधनों के संयमित उपयोग का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय परिवहन व्यवस्था को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इसके तहत समस्त शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में परिवर्तित करने की दिशा में ठोस कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल ईंधन की बचत करेगा, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से सार्वजनिक परिवहन का अधिकाधिक उपयोग करने, कारपूलिंग अपनाने तथा अनावश्यक निजी वाहनों के उपयोग से बचने की अपील की।

केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के केंद्रीय राज्य ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश पासवान आज अपने दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी रायपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नया रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली तथा केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

केंद्रीय राज्य मंत्री पासवान ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत आरसेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इन प्रयासों से ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई ऊर्जा मिल रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी एवं बेहतर क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों की प्रशंसा भी की।

समीक्षा बैठक के दौरान पासवान ने राज्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करते हुए वीबी जी राम जी के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री पासवान ने मनरेगा अंतर्गत छत्तीसगढ़ के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि राज्य ने ग्रामीण रोजगार सृजन, जल संरक्षण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ पहुंचाने में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने मनरेगा में क्यूआर कोड नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि मनरेगा क्रियान्वयन में राज्य देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों की प्रगति की भी प्रशंसा की और कहा कि राज्य द्वारा किए जा रहे नवाचार एवं जनहितकारी प्रयास अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने राज्य शासन द्वारा संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान के अंतर्गत किए जा रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने इसे ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं जनभागीदारी आधारित पहल बताया।

पासवान ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष बल देते हुए कहा कि छत्तीसकला ब्रांड अंतर्गत निर्मित उत्पादों को मॉल, रेलवे स्टेशन एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर स्टॉल लगाकर जन-जन तक पहुंचाया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि हो तथा उनके उत्पादों को बेहतर पहचान मिल सके।

मलपुरीकला समाधान शिविर में जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत दुर्ग जिले के जनपद पंचायत धमधा के ग्राम मलपुरीकला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 485 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 165 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के समाधान हेतु समय-सीमा निर्धारित की गई है। मलपुरीकला सहित 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की उपस्थिति में आयोजित शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत सैकड़ों हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। खाद्य विभाग द्वारा नवीन राशन कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय प्रोत्साहन राशि प्रमाण पत्र एवं स्वच्छाग्राही सम्मान प्रदान किए गए। वहीं सामाजिक सहायता पेंशन योजना के अंतर्गत वृद्धा एवं मुख्यमंत्री पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबियां सौंपी गई, जबकि मत्स्य विभाग द्वारा मछुआ समितियों को आइस बॉक्स एवं जाल वितरित किए गए। कृषि विभाग ने किसानों को केसीसी कार्ड प्रदान किए तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी वैक्सीन लगवाने वाली बालिकाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विकसित ग्राम से विकसित भारत की आधारशिला बनेगा वीबी जी राम जी एक जुलाई से देशभर में होगा लागू: राज्य मंत्री कमलेश पासवान

ग्रामीण विकास में पारदर्शिता और सुशासन का नया मॉडल बनेगा वीबी जी राम जी: पासवान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वीबी-जी राम जी विकसित ग्राम से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। यह व्यवस्था ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को मजबूत करेगी तथा गांवों को आत्मनिर्भर और विकासोन्मुख बनाने में अहम भूमिका निभाएगी यह बात केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर अटल नगर स्थित नवीन सर्किट हाउस में वीबी-जी राम जी के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित सेमिनार एवं समीक्षा बैठक में कही।

इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अपने संबोधन में पासवान ने कहा कि वीबी-जी राम जी आगामी एक जुलाई से देशभर में लागू किया जाएगा। वीबी-जी राम जी ग्रामीण विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और निगरानी के लिए एक सशक्त प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संचालन में जिन नियमों में व्यावहारिक कठिनाइयां थीं अथवा जिनमें सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, उन्हें संशोधित कर वीबी-जी राम जी में समाहित किया गया है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब कम होगा और ग्रामीण जनता को समयबद्ध तरीके से लाभ मिल सकेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के माध्यम से ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाया जाएगा। गांवों में विकास कार्यों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, कार्यों की पारदर्शी स्वीकृति, समय पर भुगतान, सामाजिक अंकेक्षण की मजबूती तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं के चयन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण अधोसंरचना, रोजगार सृजन, जल संरक्षण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा आजीविका संवर्धन के कार्यों में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण समुदाय की भागीदारी और अधिक प्रभावी होगी। इसके साथ ही महिलाओं, स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को भी योजनाओं से अधिक अवसर और लाभ प्राप्त होंगे।

पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार गांवों को आत्मनिर्भर, सशक्त और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वीबी-जी राम जी गांवों में सुशासन, पारदर्शिता और विकास की नई कार्यसंस्कृति स्थापित करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गांवों का विकसित होना अत्यंत आवश्यक है और वीबी-जी राम जी उसी दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इस अवसर पर इस बैठक में अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, सचिव भीम सिंह, आयुक्त मनरेगा तारण प्रकाश सिन्हा, संचालक एनआरएलएम अश्विनी देवांगन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा